हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 42, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 9 अगस्त, 2023 दिन बुधवार | गाजीपुर/वाराणसी

यूपी विधानमंडल सत्रः अखिलेश ने बेरोजगारी पर उठाए सवाल

सीएम योगी ने कसा तंज, सपाइयों की सोच तो बदली

लखनऊ। यूपी में विधानमंडल का मानसून सत्र चल रहा है। मंगलवार को सदन की कार्यवाही का दूसरा दिन रहा। सदन में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर सवाल उठाए और बेरोगारी के मुद्दे पर घेरा। अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी प्रदेश में बेरोजगारी की दर तो बताते हैं पर रोजगार कितने दिए इस पर कभी बात नहीं करते हैं। जिस पर जवाब देते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश में रोजगार का सृजन हो रहा है। भर्ती प्रक्रिया साफ-सुथरे तरीके से सम्पन्न हो रही है। आज प्रदेश की बेरोजगारी दर 19 प्रतिशत से घटकर तीन से चार फीसदी हो गई है।

एक अन्य सवाल में अखिलेश यादव ने पूछा कि मुख्यमंत्री योगी बताएं कि प्रदेश में 2017 से 2022 तक 15 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों की संख्या में कितनी बढ़त हुई है और सरकार आने वाले समय में इन बच्चों के रोजगार के लिए क्या कर रही है? इस पर मुख्यमंत्री योगी ने जवाब दिया कि मुझे खुशी है कि समाजवादियों की सोच में इतना तो बदलाव हुआ कि अब वो जनसंख्या की बात कर रहे हैं। जिसे नियंत्रित करने के लिए ही समान कानून लाने की बात की जा रही है। इसी बहाने योगी ने इशारों-इशारों में समान नागरिक संहिता का जिक्र कर दिया। वहीं, सदन की कार्यवाही प्रारंभ होते ही विधान परिषद में हंगामा हो गया। सपा सदस्यों ने वेल में आकर नारेबाजी शुरू कर दी और फिर बर्हिगमन कर लिया। इससे पहले यूपी विधानसभा सत्र का पहला दिन एक-दूसरे पर किए गए निजी हमलों के नाम भी रहा। सत्ता और विपक्ष के नेताओं ने एक-दूजे पर जवाबी हमले किए। सदन में अतीक और अशरफ सहित 12 पूर्व विधायकों को दी गई श्रद्धांजलि दी गई। वहीं चार विधायकों का जन्मदिन भी मनाया गया।

विधानमंडल सत्र के पहले दिन सदन में पेश हुए अध्यादेश

- उत्तर प्रदेश दंड विधि (अपराधों का शमन और विचारणों को उपशमन (संशोधन) अध्यादेश 2023
- उत्तर प्रदेश नगर पालिका संशोधन अध्यादेश - 2023
- उत्तर प्रदेश नगर स्थानीय स्वायत्त शासन विधि (संशोधन) अध्यादेश - 2023
- कृषि उत्पादन मंडी (संशोधन) अध्यादेश - 2023
- उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय संशोधन अध्यादेश-2023 (अध्यादेश संख्या -6 से 11)
- उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास संशोधन अध्यादेश - 2023
- उत्तर प्रदेश जगद्गुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय अध्यादेश - 2023
- उत्तर प्रदेश माल एवं सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश-2023

पेश किए गए विधेयक

- उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर संशोधन विधेयक 2023
- उत्तर प्रदेश दंड विधि संशोधन विधेयक - 2023
- उत्तर प्रदेश नगर योजना और विकास संशोधन विधेयक - 2023
- उत्तर प्रदेश नागर स्थनीय स्वायत्त शासन विधि संशोधन विधेयक - 2023
- उत्तर प्रदेश नगर पालिका संशोधन विधेयक - 2023
- उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन मंडी (संशोधन) विधेयक 2023।
- उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक - 2023
- उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक (द्वितीय संशोधन) - 2023
- उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग विधेयक - 2023
- उत्तर प्रदेश कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक -2023
- उत्तर प्रदेश जगद्गुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्विद्यालय विधेयक - 2023

'मैं मुख्यमंत्री पद छोड़ना चाहता हूं, लेकिन...' अशोक गहलोत बोले- हाईकमान जो फैसला करेगा, मुझे मंजूर

राजस्थान। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं। उन्होंने सोमवार (7 अगस्त) को एक कार्यक्रम में बोलते हुए अपने विरोधियों को करारा जवाब दिया, गहलोत ने कहा कि मैं कई बार सोचता हूं कि मुख्यमंत्री का पद छोड़ दूं, लेकिन सीएम पद मुझे नहीं छोड़ता है। सीएम गहलोत ने एक घटना को याद करते हुए कहा कि एक महिला ने उन्हें राज्य के सीएम के रूप में बने रहने के लिए कहा और उनके साथ उनकी बातचीत हुई। इस घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा, "कई बार मैं सोचता हूं कि मुझे मुख्यमंत्री पद छोड़ देना चाहिए लेकिन मुख्यमंत्री पद मुझे नहीं छोड़ रहा है। मैं जो भी कहता हूं, सोच-विचारकर कहता हूं। कोई भी बात सोच-समझकर बोलनी चाहिए..." उन्होंने इशारों में पार्टी हाईकमान के अपने साथ होने की बात कहते हुए आगे कहा, "हाईकमान जो भी फैसला करेगा, मुझे मंजूर है। यह बात कहने के लिए हिम्मत चाहिए कि 'मैं पद छोड़ना चाहता हूं' लेकिन यह पद मेरा पीछा नहीं छोड़ रही है।"

ज्ञानवापी मामले में बड़ा झटका, गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक की याचिका खारिज

प्रयागराज। वाराणसी स्थित ज्ञानवापी परिसर में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग वाली जनहित याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट में यह याचिका राखी सिंह व अन्य की तरफ से दाखिल की गई थी। इस पर मुख्य न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर और न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव की खंडपीठ ने सुनवाई की।

इस जनहित याचिका में मांग की गई थी कि श्रृंगार गौरी केस में जब तक वाराणसी जिला अदालत का फैसला नहीं आ जाता तब तक परिसर में गैर हिंदुओं का प्रवेश प्रतिबंधित किया जाए और ज्ञानवापी परिसर में मिले हिंदू प्रतीक चिन्हों को संरक्षित रखने का आदेश दिया जाए। जनहित याचिका में कहा गया था कि वाराणसी में श्री आदि विश्वेश्वर मंदिर (वर्तमान ज्ञानवापी परिसर) के सदियों पुराने अवशेषों को बचाना है। दावा किया गया था कि विवादित स्थल (सेटलमेंट प्लॉट नंबर 9130 वार्ड और दशाश्वमेघ वाराणसी) पर एक भव्य मंदिर हुआ करता था, जहां भगवान शिव ने स्वयं ज्योतिर्लिंग की स्थापना की थी। सन् 1669 में मुस्लिम शासक औरंगजेब ने इस मंदिर को नष्ट कर दिया था। कहा गया है कि उक्त मंदिर को नष्ट करने के बाद मुसलमानों ने अनधिकृत रूप से मंदिर परिसर में अतिक्रमण किया और एक संरचना बनाई जो कि कथित ज्ञानवापी मस्जिद है।

मोरबी हादसाः सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को दी गई जमानत को रद्द करने से किया इनकार, कहा- वह सिर्फ टिकट बेच रहा था

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात हाईकोर्ट द्वारा उस आरोपी को दी गई जमानत रद्द करने से इनकार कर दिया है, जिसने पिछले साल मोरबी पुल ढहने के दिन आगंतुकों को टिकट जारी किए थे, जिसमें 140 से अधिक लोग मारे गए थे। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ मोरबी के 'त्रासदी पीड़ित संघ' की ओर से पेश वकील की इस दलील से सहमत नहीं हुई कि उच्च न्यायालय ने गलत तरीके से आरोपी को जमानत दी। उच्च न्यायालय द्वारा नौ जून को आरोपी मनसुखभाई वालजीभाई टोपिया को दी गई जमानत रद्द करने की याचिका खारिज करते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, 'वह सिर्फ टिकट बेच रहे थे।' पीठ ने सोमवार को अपने आदेश में कहा, 'हम संविधान के अनुच्छेद 136 के तहत विशेष अनुमति याचिकाओं पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। विशेष अनुमति याचिकाओं को तदनुसार खारिज किया जाता है।' गुजरात उच्च न्यायालय ने इस तथ्य का संज्ञान लिया था कि जांच पूरी हो चुकी है और आरोप पत्र पहले ही दायर किया जा चुका है।

'लालू यादव को हमने जेल नहीं भेजा', अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में निशिकांत दुबे ने विपक्ष को घेरा

नई दिल्ली। अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि 'हमें लगा था कि राहुल गांधी चर्चा की शुरूआत करेंगे लेकिन लगता है वो बोलने के लिए तैयार नहीं थे, हो सकता है कि वह देर से सोकर उठे होंगे।' मणिपुर पर दुबे ने कहा कि मैं खुद मणिपुर के इतिहास का भुक्तभोगी हूं। मेरे रिश्तेदार जो सुरक्षाबल में उच्च पद पर थे, वह उग्रवादी हमले में घायल हुए थे। निशिकांत दुबे ने विपक्षी एकता पर निशाना साधते हुए कहा कि 'विपक्ष में बैठे कुछ ही लोग INDIA की फुल फॉर्म बता पाएंगे। दुबे ने कहा कि सभी विपक्षी पार्टियां एक दूसरे से लड़ रही हैं लेकिन इसके बावजूद केंद्र में गठबंधन कर रही हैं। लालू यादव को हमने जेल नहीं भेजा, कांग्रेस ने जेल भेजा। शरद पवार को किसने बर्खास्त किया? जदयू को सबसे ज्यादा फंड मैंने दिलवाया। शेख अब्दुल्ला को जेल में कांग्रेस ने बंद किया। सीपीएम देशद्रोही पार्टी के साथ है।' निशिकांत दुबे ने कहा कि 'अविश्वास प्रस्ताव के जरिए सोनिया गांधी बेटे को सेट करना चाहती हैं और दामाद को भेंट करना चाहती हैं। भाजपा सांसद ने दावा किया कि हम 2024 में पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेंगे।' दुबे ने कहा कि 'सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की सजा पर सिर्फ रोक लगाई है और अभी तक फैसला नहीं दिया है। राहुल गांधी कहते हैं कि वह माफी नहीं मांगेंगे, हां वो ओबीसी वर्ग से क्यों माफी मांगेंगे। दूसरा वह कहते हैं कि वह सावरकर नहीं है...आप कभी सावरकर बन भी नहीं सकते। सावरकर ने 28 साल जेल में बिताए, आप कभी सावरकर नहीं बन सकते।' विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर तंज कसते हुए निशिकांत दुबे ने कहा कि इस अविश्वास प्रस्ताव के बहाने विपक्ष ये देखना चाहता है कि कौन-कौन साथ है।

सत्र में भी 'अहीर' टिप्पणी का मामला गरमाया योगी के मंत्री को अखिलेश ने दी नसीहत

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार के मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी के अहीर को लेकर दिए गए विवादित बयान पर मंगलवार को पलटवार किया है। उन्होंने बिना नाम लिए कहा कि... "उन शक्तिहीन बेबस मंत्रियों की व्यक्तिगत टिप्पणी पर क्या जवाब देना, सरकार में जिनकी कोई गिनती तक नहीं है। हमारी तो यही प्रार्थना है कि बेचारगी से त्रस्त ऐसे मंत्री जी को सन्मति दे भगवान! यदि अहंकार से मतिभंग होने का कोई उपचार होता तो हम उसके लिए भी सच्चे मन से प्रार्थना करते।" अखिलेश का यह जवाब गन्ना एवं चीनी विकास मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी की टिप्पणी के बाद आया है। विधानमंडल के मानसून सत्र के पहले दिन विपक्ष ने मणिपुर के मुद्दे पर हंगामा किया और सदन बाधित किया। अखिलेश द्वारा छुट्टा जानवरों का मुद्दा न उठाने के सवाल पर लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा, अखिलेश यादव अपनी असलियत से भटक रहे हैं। अहीरों का काम ही जानवर पालना था। वो अपने पैतृक धंधे को ही भूल रहे हैं। उन्होंने कहा, गाय और भैंस

पालना तो उनके पूर्वजों का मुख्य काम था। चूंकि वो मंत्री के घर में पैदा हुए। मुख्यमंत्री के घर में बड़े हुए। आसमान से राजनीति में टपके हैं। इसलिए उन्हें बार-बार वही बात याद आती है। उनको तो ये सोचना चाहिए कि उनके पूर्वजों का ये धंधा है। जिस नंद बाबा के वो वंशज बनते हैं, उनकी तो नौ लाख गाय थीं।

मक्खियों-खटमल से भरी कोठरी में बंद पूर्व पीएम इमरान खान, PTI का आरोप- आंतकियों की तरह हो रहा व्यवहार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को उच्च सुरक्षा वाली अटक जेल की कोठरी में रखा गया है। बताया जा रहा है कि भ्रष्टाचार के मामले में दोषी ठहराए जाने और गिरफ्तार करने के बाद खान को जिस कोठरी में रखा गया है, वह मक्खियों और खटमल से भरी हुई है। इतना ही नहीं, उसमें शौचालय भी खुले में बनाया हुआ है।

छोटे-से कमरे में रखा है बंद- 70 वर्षीय इमरान खान के अटॉर्नी जनरल नईम हैदर पंजोठा ने यह दावा किया है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) अध्यक्ष को पंजाब प्रांत में स्थित जेल में सी-श्रेणी की सुविधाएं दी जा रही हैं। पंजोठा ने सोमवार को खान से जेल में मुलाकात करने के बाद कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री को छोटे-से कमरे में बंद करके रखा है। इसमें खुले में शौचालय बना हुआ है। नईम ने कहा कि इतनी तकलीफों के बाद भी पीटीआई अध्यक्ष अपनी पूरी जिंदगी जेल में बिताने के लिए तैयार हैं।

खान की पत्नी के कमरे का दरवाजा तोड़ने की कोशिश- उन्होंने कहा कि खान ने उन्हें बताया है कि पुलिस ने उन्हें गिरफ्तारी वारंट नहीं दिखाया था। साथ ही पुलिस ने लाहौर में उनकी पत्नी के कमरे का दरवाजा तोड़ने की कोशिश भी की थी।

डेढ़ घंटे की मुलाकात से खुलासा- बता दें, पंजोठा ने पूर्व प्रधानमंत्री की दोषसिद्धि के खिलाफ अपील दायर करने के लिए कानूनी दस्तावेज पर हस्ताक्षर लेने के लिए जेल में उनसे मिलने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने एक अधिकारी की मौजूदगी में खान से करीब एक घंटे 45 मिनट तक मुलाकात की।

दिन-रात परेशान खान- उन्होंने कहा कि खान बहुत बुरे हालातों में रह रहे हैं। उन्हें एक अंधेरे कमरे में रखा गया है, जहां खुले में शौचालय बना है। इसके अलावा दिन में मक्खियां मंडराती रहती हैं और रात में चीटियां आती हैं। किसी को उनसे मिलने नहीं दिया जाता है, जैसे कि वह कोई आतंकवादी हैं।

दो आदिवासी बहनों से गैंगरेप, 7 युवकों ने हैवानियत की सारी हदें की पार; दरिंदगी का बनाया वीडियो

रीवा। मैहर निर्भयाकांड की पीड़ित मासूम अस्पताल से घर भी नहीं पहुंची थी कि अब रीवा जिले के हनुमना थाना क्षेत्र से भी हैवानियत की हद पार करने का एक मामला सामने आ गया। जहां जंगल में चकौड़ा का साग काटने गईं 13 और 14 साल की दो चचेरी आदिवासी बहनों से सात युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। बच्चियों ने जब आपबीती सुनाई तो पुलिस के भी होश उड़ गए। एक के साथ पांच और दूसरी के साथ दो आरोपियों ने दरिंदगी कर वीडियो भी बनाया। बीते रविवार को सामूहिक दुष्कर्म का वीडियो वायरल होने पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पुलिस पीड़ित बच्चियों की पहचान कर थाना लेकर आई। फिर मामला दर्ज कर पांच लड़कों को हिरासत में लिया। आरोपियों से घटना के बारे में पूछताछ की जा रही है। दो आरोपी अभी भी फरार हैं। जानकारी के मुताबिक, दो बहनों के साथ वहशीपन की यह घटना करीब 15 दिन पुरानी है। 13 और 14 साल की दोनों बहनें चकौड़ा का साग काटने जंगल गई थीं। वहां पांच लड़के पहले से ही मौजूद थे। दोनों बहनों को देखकर आरोपी अश्लील इशारे करने लगे और फोन कर अपने दो और साथियों को बुला लिया। उनके इरादों को भांपकर दोनों बहनें वहां से भागने लगीं। इस पर सभी आरोपियों ने उनका पीछा किया और पकड़ कर करकाछ जंगल ले गए। वहां उन्होंने बच्चियों को बंधक बना लिया। फिर उनके साथ सातों लड़कों ने दुष्कर्म किया। आरोपी इस दरिंदगी का वीडियो भी बना रहे थे। हैवानियत के बाद भी वे उनको बंधक बनाए रहे और दोनों बहनें छोड़ देने की गुहार लगाती रहीं। बाद में आरोपियों ने घटना की जानकारी किसी को देने पर वीडियो वायरल कर बदनाम करने की धमकी देकर छोड़ दिया। बदनामी के डर से खौफनाक घटना की जानकारी परिजनों को देने की हिम्मत वे जुटा नहीं पाईं।

सांसदी के बाद राहुल गांधी को वापस मिला उनका पुराना सरकारी बंगला; बोले- पूरा हिंदुस्तान मेरा घर

नई दिल्ली। राहुल गांधी को उनका पुराना सरकारी आवास 12 तुगलक लेन का बंगला आवंटित कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, कल लोकसभा की हाउस सीमिति ने राहुल गांधी की सदस्यता बहाल होने के बाद मंगलवार को उनको पुराना सरकारी आवास आवंटित कर दिया है। इस बीच राहुल गांधी असम कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक के लिए एआईसीसी मुख्यालय पहुंचे। जब कांग्रेस सांसद से अपना आधिकारिक आवास वापस पाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मेरा घर पूरा हिंदुस्तान है। इससे पहले 'मोदी उपनाम' टिप्पणी मामले में चार अगस्त को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बड़ी राहत मिली थी। सर्वोच्च न्यायालय ने एक अंतरिम आदेश जारी कर उनकी सजा पर रोक लगा दी थी। इस फैसले के बाद सोमवार को लोकसभा सचिवालय ने राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता भी बहाल कर दी गई थी।

नियम के मुताबिक, उन्हें टाइप-VII आवास आवंटित हो सकता है। दरअसल, वर्तमान में आठ तरह के सरकारी आवासों की श्रेणियां हैं यानी एक से आठ। केंद्रीय मंत्रियों को टाइप-VIII आवास मिलता है जो सबसे बड़ी श्रेणी है। टाइप-V और टाइप-VII आवास लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों को आवंटित किए जाते हैं। बाकी अन्य श्रेणियों के आवास शासकीय कर्मियों को आवंटित किए जाते हैं। राहुल गांधी संसद में तीन बार कार्यकाल पूरा कर चुके हैं इसलिए वह टाइप-VII बंगले के लिए पात्र हैं।

27 मार्च को लोकसभा सचिवालय ने पूर्व कांग्रेस प्रमुख राहुल गांधी को 22 अप्रैल तक अपना आधिकारिक आवास खाली करने को कहा था। इसके बाद कांग्रेस नेता ने 22 अप्रैल को अपना आधिकारिक बंगला खाली कर दिया था। बंगला खाली करते वक्त उन्होंने कहा था कि यह सच बोलने के लिए चुकाई गई कीमत है। इसके बाद राहुल 10 जनपथ पर अपनी मां के आवास पर रहने आ गए। अभी भी वह अपनी मां के साथ रह रहे हैं।

2024 लोकसभा चुनाव लड़ पाएंगे ?- सुप्रीम कोर्ट की ओर से राहुल को मिली राहत फौरी है। कोर्ट ने मामले को खारिज नहीं किया गया, बल्कि सजा पर रोक लगाई है। अब मामले में नए सिरे से सुनवाई होगी। अगर ऊपरी कोर्ट भी राहुल को इस मामले में दो साल की सजा सुनाता है तो राहुल चुनाव लड़ने से अयोग्य हो जाएंगे। वहीं, कोर्ट से बरी होने या दो साल से कम सजा मिलने पर राहुल चुनाव लड़ सकेंगे। हालांकि, ये फैसला कब तक आएगा ये देखना होगा। ऐसा भी हो सकता है कि कोर्ट का फैसला 2024 के चुनाव के बाद आए। ऐसे में राहुल 2024 का चुनाव लड़ सकते हैं।

पेपरफ्राई के सीईओ अंबरीश मूर्ति का निधन, लेह में दिल का दौरा पड़ने से गई जान

नई दिल्ली। पेपरफ्राई के सीईओ अंबरीश मूर्ति का लेह में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। कंपनी के सहसंस्थापक आशीष शाह ने इसकी पुष्टि की है। वे 51 साल के थे। आशीष शाह के साथ भागीदारी में अंबरीश मूर्ति ने 2012 में ऑनलाइन फर्नीचर और घरेलू सामान बेचने के उद्यम की स्थापना की थी। पेपरफ्राई की स्थापना से पहले, अंबरीश ने भारत, फिलीपींस और मलेशिया में ईबे के लिए कंट्री मैनेजर का पद संभाला था। इससे पहले, मूर्ति लेवी स्ट्रॉस इंडिया के ब्रांड लीडर थे, जो ब्रांड के लिए उत्पाद विकास, विपणन और खुदरा रणनीतियों के लिए जिम्मेदार थे। वे ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज के साथ विपणन प्रबंधक के तौर पर भी जुड़े थे। मूर्ति ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) प्रोफाइल पर खुद को एक क्लोसेट सोशियोपैथ कहा था और महाकाव्य कल्पनाओं को पढ़ने के लिए इतिहास के प्रति अपने लगाव की बात कही थी। उनके पास एफएमसीजी, वित्तीय सेवाओं और इंटरनेट उद्योगों में सामान्य प्रबंधन का 27 साल का अनुभव था। वह आईआईटी कलकत्ता के 1996 बैच के पूर्व छात्र थे और उन्होंने 1994 में दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से इंजीनियरिंग में स्नातक की पढ़ाई पूरी की थी।

संपादकीय

विध्वंस के विरुद्ध अदालत की रोक

हरियाणा के नूंह में ब्रजमंडल धार्मिक यात्रा पर हुई पत्थरबाजी के बाद प्रशासन ने वहां अवैध निमार्णों और सरकारी जमीन पर अतिक्रमण को हटाना शुरू कर दिया था। बताया जा रहा था कि इन्हीं इमारतों से पत्थर बरसाए गए थे। अब पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेते हुए वहां इमारतों को बुलडोजर से ढहाने पर रोक लगा दी है। प्रशासन का दावा है कि अब तक सैंतीस जगहों पर साढ़े सत्तावन एकड़ जमीन से अवैध निर्माण हटा दिए गए हैं। नूंह में अब तक एक सौ बासठ स्थायी और पांच सौ इक्यानबे अस्थायी निर्माण गिराए जा चुके हैं। प्रशासन अब भी अपने फैसले पर अडिग है कि मेवात इलाके में सारे अवैध निमार्णों की पहचान की जा रही है और उन्हें गिराया जाएगा। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों से दंगा फैलाने वालों, दूसरे तरह के अपराधों में शामिल लोगों को दंडित करने का यह चलन चल पड़ा है कि उनके मकान-दुकान पर बुलडोजर चला कर ध्वस्त कर दिया जाता है। यह चलन सबसे पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने शुरू किया था। उसकी नकल में मध्यप्रदेश सरकार ने भी आपराधिक तत्त्वों पर नकेल कसने का यह तरीका अपना लिया। अब हरियाणा सरकार भी उसी रास्ते पर चल चुकी है। सरकारी जमीन पर कब्जा करके किसी भी प्रकार के निर्माण को जायज नहीं ठहराया जा सकता। उसे कानूनन ध्वस्त करने का सरकार के पास अधिकार है। मगर इस तरह बुलडोजर चलाने को लेकर सवाल इसलिए उठने लगे हैं कि प्रशासन को किसी अवैध निर्माण के बारे में तभी जानकारी क्यों मिलती है, जब वहां दंगा भड़क उठता है या कोई बड़ा अपराध हो जाता है। हालांकि दूसरी सरकारों की तरह हरियाणा सरकार का भी कहना है कि जिन लोगों ने नूंह में अवैध कब्जा करके निर्माण कार्य किए थे, उन्हें पहले ही नोटिस भेजा जा चुका था। मगर फिर भी यह तर्क गले नहीं उतरता कि उन्हें ढहाने के लिए बुलडोजर तभी क्यों चले, जब धार्मिक यात्रा पर पत्थर बरसे और हरियाणा के अलग-अलग शहरों में सांप्रदायिक तनाव बढ़ गया। आखिर इतने बड़े भूखंड पर इतने सारे अवैध निर्माण रातोंरात तो हो नहीं गए होंगे। ऐसा भी नहीं माना जा सकता कि इससे पहले वे निर्माण प्रशासन की नजर में नहीं रहे होंगे। यह भी छिपी बात नहीं है कि सरकारी भूखंडों पर ज्यादातर कब्जे सरकारी अमले की मिलीभगत से होते हैं। ऐसे में अगर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने अभी चल रहे विध्वंस पर रोक लगाई है, तो उसके सवालों का जवाब देना प्रशासन के लिए आसान नहीं होगा। अवैध निर्माण गिराने के ऐसे अभियानों में कई शिकायतें ऐसी आईं, जिनमें उन भवनों पर भी बुलडोजर चला दिया गया, जिनमें किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण नहीं हुआ था। मध्यप्रदेश में तो एक शिकायतकर्ता ने कहा कि उसे मकान प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिला था। इसलिए भी सरकारों की बुलडोजर प्रथा पर सवाल उठते आ रहे हैं। ऐसे दंगों में किसी पर अपराध सिद्ध होने से पहले ही सरकारें अगर उनके मकान ध्वस्त कर देती है, तो इसे न्याय नहीं कहा जा सकता। लोग बड़ी मशक्कत और हसरत से घर बनाते हैं, उन घरों में पूरे परिवार का सपना पलता है, उन्हें बुलडोजर चला कर बेघर कर देना किसी कल्याणकारी सरकार का कदम नहीं माना जा सकता। अवैध निर्माण हटाने के भी नियम-कायदे हैं, उनका पालन होना ही चाहिए। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय की रोक सरकार के लिए एक सबक है।

लाकर के बदलाव ही

नोंक-झोंक और बहस से ।
नहीं है चलता काम ।।
कर्मठता से प्रतिपल ।
है मिलता मुकाम ।।
लाकर के बदलाव ही ।
है चल पाता तीर ।।
करना होगा इंतजार ।
क्यों बनना अधीर ?
गतिविधियां जो चल रहीं ।
तय मिलना है फल ।।
बस केवल विरोध से ।
नहीं चमकता कल ।।
हुई कहां है गलती ।
होगा रखना ध्यान ।।
जनमानस के हाथ में ।
है सबका सम्मान ।।

–कृष्णेन्द्र राय

बंगाल व राजस्थान में महिलाओं पर बढ़ते अत्याचारों को लेकर खुद कटघरे में आ गये हैं विपक्षी दल

योगेन्द्र योगी

मणिपुर हिंसा पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान की मांग को लेकर संसद ठप करने वाले विपक्षी दलों को महिला अत्याचारों और हिंसा को लेकर राजस्थान और बंगाल में भेदभाव को लेकर कटघरे में आ गए हैं। महिला अत्याचारों को लेकर राजस्थान फिर से सुर्खियों में आ गया है। अलवर जिले में दो सामूहिक बलात्कार की घटनाओं ने राज्य की अशोक गहलोत सरकार की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। राजस्थान की कांग्रेस सरकार पहले से ही भ्रष्टाचार के आरोपों से बुरी तरह से घिरी हुई है। इस राज्य में महिला अत्याचारों की नई वारदातों ने भाजपा को ज्यादा हमलावर बना दिया है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने सीकर में जनसभा के दौरान गहलोत सरकार पर लाल डायरी और महिला अत्याचारों पर जमकर कटाक्ष किए थे। आश्चर्य की बात यह है कि राजस्थान के एक मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा ने ही भ्रष्टाचार और महिला अत्याचारों को लेकर कटघरे में खड़ा किया। विधानसभा की कार्रवाई के दौरान मंत्री गुढ़ा ने एक लाल डायरी हाथ में लेकर गहलोत सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए।

गहलोत सरकार ने इस मामले की जांच कराने के बजाए गुढ़ा को मंत्री पद से बर्खास्त कर पार्टी से भी बाहर निकाल दिया। मणिपुर हिंसा पर सत्तारुढ़ कांग्रेस के विधानसभा में तख्तियों लेकर प्रदर्शन करने के दौरान कांग्रेस की ही एक विधायक दिव्या मदरेणा ने राजस्थान में महिला अत्याचारों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि राजस्थान में महिलाएं असुरिक्षत हैं। हालांकि कांग्रेस इतना दुस्साहस नहीं कर सकी कि अपनी सरकार का सदन में विरोध करने वाले मंत्री गुढ़ा की तरह दिव्या मदरेणा के खिलाफ कोई कार्रवाई कर सके।

गौरतलब है कि राजस्थान में देशभर में दुष्कर्म के मामलों में पहले स्थान पर है। यहां 10 साल से कम उम्र की बच्चियों के साथ दुष्कर्म के केस 2.79 फीसदी बढ़े हैं। वहीं, छोटी बच्चियों के साथ गैंगरेप की वारदात में भी इस साल 13.64 फीसदी की वृद्धि हुई है। 10 साल की बच्चियों के साथ दुष्कर्म के मामलों में 2.79 फीसदी का इजाफा हुआ है। ये खुलासा हाल ही में राजस्थान पुलिस की रिपोर्ट में हुआ है। सबसे चिंताजनक और डराने वाली बात यह है कि बच्चियों के साथ दुष्कर्म और गैंगरेप के मामले साल दर साल बढ़ते जा रहे हैं। यह खुलासा राजस्थान पुलिस की जून-2023 तक की मासिक रिपोर्ट में हुआ है। राजस्थान की तरह विपक्षी दल पश्चिमी बंगाल में महिला अत्याचारों पर मौन साधे हुए हैं। भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी यह कहते हुए रो पड़ीं कि क्या इन राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अत्याचारों पर तभी ध्यान दिया जाएगा जब ऐसी घटनाओं को रिकॉर्ड करने वाले वीडियो वायरल होंगे। लॉकेट चटर्जी ने दावा किया कि 3,000 से अधिक महिलाएं राहत शिविरों में हैं। पश्चिमी बंगाल में चुनाव के दौरान और उसके बाद हिंसा में 57 से अधिक लोग मारे गए। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में लोगों के एक समूह ने दो आदिवासी महिलाओं को निर्वस्त्र किया और उनके साथ मारपीट की। इस मामले में मालदा पुलिस ने तीन महिला सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया। बीजेपी ने आरोप लगाया कि बंगाल में कुछ दिन पहले दो आदिवासी महिलाओं को निर्वस्त्र कर यातना देने के दौरान पुलिस मूकदर्शक बनी रही। भाजपा का आरोप है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ऐसे मामलों में कुछ नहीं करने का फैसला किया। पश्चिम बंगाल में हावड़ा जिले के पंचला थाने के तहत दक्षिण पंचला में पीड़ित महिला का आरोप है कि पंचायत चुनाव के दिन टीएमसी के गुंडों ने उसे निर्वस्त्र कर गांव में घुमाया। घटना के संबंध में पीड़िता की ओर से पंचला थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। पश्चिम बंगाल और राजस्थान की तरह बिहार में हुई हिंसा की वारदात को लेकर विपक्षी दलों ने विरोध में प्रतिक्रिया तक देना जरूरी नहीं समझा। बिहार के कटिहार में अनियमित बिजली व्यवस्था को लेकर तय कार्यक्रम के तहत बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्थानीय जन प्रतिनिधि बारसोई प्रखंड कार्यालय परिसर में प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस के द्वारा की गई फायरिंग में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। यही घटना यदि किसी भाजपा शासित राज्य में हुई होती तो समूचा विपक्ष आसमान सिर पर उठा लेता। बिजली जैसी बुनियादी मांग को लेकर सड़कों पर उतरने पर मजबूर हुए लोगों पर पुलिस फायरिंग की वारदात पर विपक्षी दलों ने नीतिश सरकार के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोला। विपक्षी दलों वाले राज्यों में भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था की बिगड़ी स्थिति और महिला अत्याचारों के मामलों में मौन साधे रहने से ही भाजपा को विपक्षी एकता पर प्रहार करने का मौका मिला है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी विपक्षी एकता के गठबंधन के प्रयासों को भ्रष्टाचार और अपराधों पर पर्दा डालने का गठबंधन बनाने का आरोप लगा चुके हैं। विपक्षी दलों के भ्रष्टाचार के मामलों में ईडी और सीबीआई की कार्रवाई को विपक्षी दल केंद्र की भाजपा सरकार के इशारे पर की गयी कार्रवाई होने के आरोप लगा चुके हैं। लेकिन कैंसर की तरह देश को खोखला कर रही इस समस्या के ठोस समाधान की दिशा में पहल नहीं की गई। विपक्षी दलों ने एक बार भी इसका खुलासा नहीं किया कि भ्रष्टाचार के मामलों में उसकी नीति क्या होगी। इसके विपरीत विपक्षी दलों का पूरा जोर केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ गठबंधन तैयार करने का रहा है। जिसका एकमात्र उद्देश्य लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ संयुक्त उम्मीदवार खड़ा करना है, ताकि वोटों का ध्रुवीकरण रोका जा सके। देश के लिए घातक साबित हुए मुद्दों पर विपक्षी दलों ने कोई राय जाहिर नहीं की। सवाल यही है कि आखिर विपक्षी दल कब तक दोहरी नीति अपनाते रहेंगे। विपक्षी दलों पर ऐसे आरोप तब तक लगते रहेंगे जब तक भ्रष्टाचार और आपराधिक मामलों में समान नजरिया नहीं अपनाएंगे। ऐसे संवदेनशील मुद्दों पर विपक्षी दलों के गठबंधन को पारदर्शिता और समानदर्शी नीति का पालन करना होगा। सिर्फ चुनाव के लड़ने के लिए गठबंधन करने मात्र से मतदाताओं का भरोसा जीतना मुश्किल है। ऐसा नहीं करने पर भाजपा को लगातार हमला करने का मौका मिलता रहेगा।

न्याय के लिए हिंदू समाज मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की ओर आशा भरी निगाह से देख रहा है

मृत्युंजय दीक्षित

हरियाणा के नूंह की वार्षिक पवित्र ब्रजमंडल यात्रा पर इस वर्ष सुनियोजित हिंसक आक्रमण किया गया। चौतरफा रूप से किये गए हमले में तीन ओर पहाड़ियों से घिरे मंदिर पर पहाड़ियों के ऊपर से गोलियां और मोर्टार दागे गए, घरों की छतों से पत्थर और पेट्रोल बम फेंके गए। आक्रमणकारियों ने सैंकड़ों की संख्या में वाहन फूंक दिए। अस्पताल में घुसकर तोड़फोड़ की और घायलों का इलाज नहीं होने दिया। पुलिस पर हमला हुआ। साजिश इतनी बड़ी और गहरी है कि पीड़ित हिन्दू समुदाय को आरोपी सिद्ध करने की कथा भी पहले से लिख ली गई थी। नूंह की पूर्व नियोजित हिंसा ने सिद्ध कर दिया कि जहाँ मुस्लिम आबादी बहुसंख्यक हो जाती है वहाँ वह दूसरों का जीना दूभर कर देती है।

पीड़ित हिंदू हैं इसलिए छद्म धर्म निरपेक्ष और मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले अज्ञातवास पर निकल गए हैं या फिर उनके मुंह में दही जम गया है। आज कोई पत्थरबाजों से नहीं पूछ रहा कि उन्होंने शांतिपूर्वक निकल रही हिंदू समाज की ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा पर नफरती पत्थर क्यों फेंके? शोभायात्रा में भाग ले रहे निर्दोष स्त्रियों और बच्चों पर पेट्रोल बम व मोर्टार जैसे अवैध हथियारो से हमला क्यों किया? आज कोई उन दंगाइयो से यह नहीं पूछ रहा कि उन्होंने निर्दोष व्यापारियों की दुकानों में आग क्यों लगाई व तोड़फोड़ क्यों की ? और तो और हिंदू विरोधी मानसिकता से ग्रस्त पूरी की पूरी आई.एन.डी.आई.ए. की जमात इस एकतरफा हमले में भी हिन्दुओं की गलती ढूँढ़ने में लगी है और निर्दोष गौ रक्षकों को फंसाना चाहती है। कांग्रेस सहित आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन में शामिल सभी दल अपनी विकृत मानसिकता के अनुरूप ही विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल को दोषी सिद्ध करने वाली बयानबाजी कर रहे हैं।

देश का विभाजन स्वीकार करने, विभाजन की विभीषिका को झेलने के बाद भी हिन्दुओं ने विभाजन के समर्थक मुसलमानों के भारत में रह जाने को भी सहन कर लिया और 1947 के बाद से आज तक कभी भी, कहीं भी, किसी भी बात पर मुस्लिम समाज पर सुनियोजित हमला नहीं बोला और न ही शासन सत्ता ने ही उनके साथ कोई भेदभाव किया। जबकि मुसलमान सदा ही हिंदू समाज के शांतिपूर्वक चलाये जा रहे धार्मिक कार्यक्रमों, व अन्य गतिविधियां पर हमले करते रहते हैं शायद ही कोई ऐसा हिन्दू उत्सव, पर्व या धार्मिक यात्रा ऐसी होगी जिसे मुसलमान प्रसन्नता से संपन्न हो जाने दें। आखिर क्यों? कब, तक यह चलता रहेगा। सबसे दुखद पक्ष ये है कि वोट बैंक के लालच में मोहब्बत की फर्जी दुकानों के मालिक ही आतंक के इस माल को सजाने में सहायक हैं।

आज भारत में हिंदू समाज के पर्वों व धार्मिक कार्यक्रमो में हमलों की जो बाढ़ आ गयी हैं उसके पीछे कई कारण हैं। आज तुष्टीकरण करने वाले और शांतिप्रिय एजेंडाधारी हर जगह हर संस्थान में घुसे हुए हैं जो दंगों तथा हमलों के दौरान चेहरे पर मास्क लगाकर अपने राजनैतिक आकाओं, मक्कार मीडिया मंचों तथा मयार्दा हीन वकीलों की मदद से दंगाईयों को बचाने की जुगत में लग जातें है। आज भरत में आजादी के 75 वर्ष बाद भी उपद्रवियों के पक्ष में बोलने के लिए ढेर सारे मानवाधिकारी व अभिव्यक्ति की आजादी के पहरेदार सामने आ जाते हैं, इन्हीं लोगों के कारण दंगा करने वाले अराजक तत्वों का हौसला लगातार बढ़ता जा रहा है।

जैसे ही नूंह हिंसा के उपद्रवियों के खिलाफ संपूर्ण भारत के हिंदू समाज में आक्रोश की भावना बलवती हुई और विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकताओं ने देश के कई हिस्सों में प्रदर्शन का आयोजन किया वैसे ही ये एजेंडा जारी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए और कहा कि विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल की रैलियों व महापंचायत आदि पर रोक लगाई जाये किन्तु सुप्रीम कोर्ट ने केवल कुछ महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश देते हुए विहिप व बजरंग दल पर रोक लगाने की मांग खारिज कर दी। अगर कहीं सुप्रीम कोर्ट विहिप व बजरंग की रैलियों पर रोक लगा देता तो यह लोग फिर बजरंग दल व विहिप पर प्रतिबंध लगाने की मांग करने लगते। आज हर मीडिया प्लेटाफार्म नूंह में हुए हमलों का स्टिंग कर रहा है, इससे जो सच उजागर हो रहा है वह बहुत ही खतरनाक तथा रोंगटे खड़े कर देने वाला है। यह हमला बिल्कुल दिल्ली दंगों की तर्ज पर हुआ। दिल्ली में 2020 में हुए दंगे में कांस्टेबल रतन लाल जी की हत्या से पहले सीसीटीवी तोड़े गये थे, छतों पर पत्थर इकटठे किये गये थे, छत से पत्थर और पेट्रोल बम चलाए गए थे। ठीक इसी प्रकार मेवात के नूंह में हुई हिंसा दो होमगार्ड की हत्या से पहले सीसीटीवी तोड़े गये। छतों पर पत्थर एकत्र किये गये और छत से ही पत्थर फेंक कर हमला किया गया। फिर उसी समय हिंदू श्रद्धालुओं द्वारा शांतिपूर्वक निकाली जा रही ब्रजमंडल 84 कोसी परिक्रमा, जो हर वर्ष आयोजित की जाती है, उस पर सुनियोजित हमला किया गया जिसमें अवैध हथियारों और मोर्टार का भी प्रयोग हुआ। घेर कर और अचानक किए गए इस हमले में धारदार हथियारों का भी जमकर प्रयोग हुआ।

जिला पुलिस की प्रभावी पैरवी से 01 अभियुक्त को मा0 न्यायालय द्वारा मिली सजा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मंगलवार को मॉनिटरिंग सेल व अभियोजन द्वारा थाना बरेसर पर पंजीकृत धारा 363,366,376D भादवि व 5/6 पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित प्रकरण में अभियुक्त रोहित बिन्द पुत्र निर्मल बिन्द निवासी सिपाह (मनरिया) थाना बरेसर जनपद गाजीपुर को माननीय न्यायालय गाजीपुर द्वारा दोषी करार देते हुए धारा 363 भादवि में 04 वर्ष का कारावास व 5000 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया, अर्थदण्ड अदा न करने पर 01 माह के अतिरिक्त कारावास से दण्डित किया जायेगा। तथा धारा 366 भादवि में 07 वर्ष का कारावास व 5000 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया, अर्थदण्ड अदा न करने पर 01 माह के अतिरिक्त कारावास से दण्डित किया जायेगा। धारा 376 भादवि में दण्डित न करते हुए दोषसिद्ध को धारा 5/6 पाक्सो अधिनियम में 20 वर्ष का कारावास व 15000 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अर्थदण्ड अदा न करने पर 06 माह के अतिरिक्त कारावास से दण्डित किया जायेगा।

भाकपा माले का सामूहिक उपवास दूसरे दिन भी जारी, 9 अगस्त को होगा प्रदर्शन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष कामरेड सरजू पाण्डेय पार्क में भाकपा माले का 50 घंटे की सामुहिक भूख हड़ताल आज दुसरे दिन भी जारी रहा। सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले केन्द्रीय कमेटी सदस्य कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि आज एक बार फिर रोम जल रहा था नीरो बांसुरी बजा रहा था कि कहानी चरितार्थ हो रही है। मणिपुर से लेकर पूरा देश जल रहा है और हमारे देश के मुखिया विदेश घूम रहे हैं। मणिपुर के हालात पर देश की संसद मे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को जवाब देने की मांग करने वाले लोगों को संसद से बाहर का रास्ता दिखा दिया जा रहा है। भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था इतना ध्वस्त हो गया है कि जनता के उपर बड़े बड़े हर घटनाओं में जब तक जनता की तीखा विरोध/ प्रतिरोध खड़ा नहीं होता या माननीय सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट जब तक हस्तक्षेप नहीं किया तब तक घटनाओं में उचित कानूनी कार्रवाई नहीं हो रहा है। ऐसे हजारों देश में घटनाएं और गरीबों पर हमले हो रहे जो यहां तक नहीं पहुंच पा रही है जो न्याय की तकाजा में दम तोड़ रही है। सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले जिला सचिव कामरेड शशीकांत कुशवाहा ने कहा कि भाजपा सरकार में अधिकारी जनता की बुनियादी सवालों को सुनने और उसे हल करने से लगातार पिछे भाग रहे है। जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष जिले के जन सवालों को लेकर सामुहिक भूख हड़ताल के दुसरे दिन भी कोई अधिकारी सवालों को सुनने व उसपर बात करने के लिए नहीं आए। और अभी तक भूख हड़ताल पर बैठे लोगों का मेडिकल जांच भी जिला प्रशासन ने नहीं कराया, जिसपर आन्दोलनकारी आक्रोशित है। आन्दोलन और जनता के सवालों पर जिला प्रशासन की असंबेदनशील रवैए को देखते हुए 9 अगस्त क्रांति दिवस पर हजारों की संख्या किसान मजदूर एक जुट होकर भूख हड़ताल के समर्थन में प्रदर्शन करेंगे। सभा में प्रमुख रूप से कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा, शशिकांत कुशवाहा, योगेन्द्र भारती, गुलाब सिंह, सतेन्द्र प्रजापति, चन्द्रावती बिन्द, रामप्रवेश कुशवाहा, रूदल कुशवाहा, रामबदन बिन्द, रामायन बनवासी, मुसाफिर बनवासी, रामनेत नेताजी, बिहारी बनवासी, मोती प्रधान, जगबली राजभर, उदयनरायन, सदानंद पटेल, रामाशीष बिन्द, आदि लोगों ने सम्बोधित किया।

जिले का बढ़ाया सम्मान सम्भावना कला मंच के चित्रकार ने दिलाया राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सम्भावना कला मंच, गाजीपुर व एम.जे.आर.पी. पब्लिक स्कूल के कला शिक्षक डॉ. राजीव कुमार गुप्ता राष्ट्रीय पुरस्कार "भारत श्री" से सम्मानित हुए हैं। गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया द्वारा रजिस्टर्ड- ग्रोव भारत फाउंडेशन एवं नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा द वाव होटेल, इन्दौर में 6 अगस्त 2023 को 'नेशनल कान्फ्रेंस एवं सम्मिट 2023' आयोजित किया गया था। इस नेशनल कान्फ्रेंस के लिए डॉ. राजीव को भी आमंत्रित किया गया था, जिसमें कला शिक्षा, इनके शोध कार्य व चित्रकला के क्षेत्र में इनके द्वारा किये गए सराहनीय योगदान के लिए चित्रकार डॉ. राजीव गुप्ता को राष्ट्रीय पुरस्कार "भारत श्री" 2023 के खिताब से नवाजा गया। जिसमें मुख्य अतिथि- एयर वाइस मार्शल- श्री समीर विश्वनाथराव बोरडे, इण्डियन एयर फोर्स व विशिष्ट अतिथि- सुप्रसिद्ध बॉलीवुड स्टार- श्री मुश्ताक खान के हाथों इनको गोल्ड मैडल, प्रशस्ति पत्र व स्मृति सील्ड देकर सम्मानित किया गया। चित्रकार राजीव कला शिक्षक के साथ ही सम्भावना कला मंच, गाजीपुर के सह-संयोजक हैं, जिसकी स्थापना ख्यातिलब्ध चित्रकार व प्रसिद्ध कला गुरु डॉ. राज कुमार सिंह ने की थी। यह अपनी इस मंच के द्वारा समय-समय पर चित्रकला कार्यशाला, प्रदर्शनी व संगोष्ठियों को आयोजित करते रहते हैं, जिसमें नवोदित कलाकारों को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित होने में सहायता मिलती है। डॉ. राजीव ने बताया कि यह सब कार्य व उपलब्धि इनके माता-पिता का आशीर्वाद, कला गुरु डॉ. राज कुमार सिंह का कुशल मार्गदर्शन एवं इनके विद्यालय परिवार से मिले पूर्ण सहयोग व स्वतंत्रता का प्रतिफल है। जिसके बिना यह सब शायद सम्भव न हो पाता। चित्रकार राजीव के चित्र देश व विदेशों के कई प्रदर्शनियों में प्रदर्शित हो चुकी है तथा इसके पूर्व भी भारत विभूषण, गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड, रिसर्च एक्सीलेंस अवॉर्ड, राजा रवि वर्मा अवॉर्ड आदि कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुका है। इनके इस उपलब्धि पर इनके विद्यालय के संस्थापक माननीय पूर्व सांसद जगदीश सिंह कुशवाहा, प्रबंधक राजेश कुशवाहा, जिलाध्यक्ष अरुण गुप्ता, डॉ. सूर्यनाथ पाण्डेय, पुष्कर सिंह, पूर्व ब्लाक प्रमुख रामायण सिंह यादव, राजेश गुप्ता, डॉ. संतन कुमार, देवेन्द्र मिश्रा, वरिष्ठ समाज सेविका मीरा राय, संगीता गुप्ता, राम जी गिरी, सुधीर सिंह, कार्तिकेय यादव, रश्मि शाक्या, पंकज शर्मा, प्रवीण श्रीवास्तव आदि मित्रगण व नगरवासियों ने बधाई व शुभकामनाएं दी।

'बीटेक' और 'बीई' में क्या अंतर हैं

दिनेश प्रसाद सिन्हा, मलावी साउथ अफ्रीका

इंजीनियरिंग कि पढ़ाई हेतु जाने वालो छात्रों को अक्सर एक जिज्ञासा होती है कि बी टेक यानी बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी और बीई/बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग यानी में इंजीनियर के लिए कौन-सी डिग्री है जो अच्छा हैं? भविष्य किसका बेहतर है ओर क्या करें ? आमतौर में उन्हें यह बताया जाता है कि दोनो एक तरिके कि डीग्री है कोई अंतर नही है। ऐसा नही होता है।हालांकि बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी और बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग दोनों ही इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट की पढ़ाई के लिए जाने जाते हैं। लेकिन दोनों कोर्स में काफी अंतर देखने को मिलता है इसीलिए अगर आप इंजीनियरी करने कि योजना कर रहे हैं तो आपको यह जानकारी जरूरी है तो आइए जानते है।

दरअसल ऐसी यूनिवर्सिटीज या फिर इंस्टिट्यूट जहां से के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी डिग्री कोर्स कराए जाते हैं यानी वहाँ इन्जीयरींग के साथ साथ अन्य विषयों यथा आर्टस या कर्मस कि भी पढ़ाई कर डीग्री प्राप्त कि जाती है। वहां से प्राप्त हुई डिग्री बैचलर आफ इंजीनियरिंग कही जाती है। वही कुछ ऐसे विश्वविद्यालय संस्थान जहां से केवल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल होती है वहां से बैचलर आफ टेक्नोलॉजी डिग्री प्राप्त होती है यानी वहा केवल इंजीनीयरीग कि ही पढ़ाई होती हैं।

बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की डिग्री के लिए थ्योरी और फंडामेंटल पर ज्यादा फोकस किया जाता है। मजबूत बुनियादी सिद्धांत पर फोकस करता है इसीलिए बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग नॉलेज ओरिएंटेड होती है। इसका सिलेबस हमेशा अपडेट नहीं होता है जिससे बदलते समय में तकनिकी दृष्टिकोण से छात्र कभी कभी पीछे रह जाते है।

बैचलर ऑफ टेक्नलांजी की डिग्री के लिए प्रैक्टिकल पर ज्यादा जोर दिया जाता है और इसके सिलेबस में समय-समय पर बदलाव किया जाता है। इसके अलावा इसकी डिग्री हासिल करने के लिए छात्र को इंटर्नशिप प्रोग्राम और इंडस्ट्री सर्वे प्रशीक्षण भी अनिवार्य रूप से करना जसरी होता है।यही कारण है कि बी टेक वाले छात्रों को बदलती दुनिया के साथ कदम से कदम मिला कर चलने परेशानी नही आती है। यह कैरियर के लिए बड़ा अंतर है।

बताते चले कि सरकारी अथवा गैर सरकारी नौकरी के लिए दोनो ही डीग्री कि मान्यता बराबर है लेकिन ज्ञान वर्द्धन और जमीनी अनुभव में अंतर तो हैं।

"द मिलियन फार्मर्स स्कूल" दो दिवसीय किसान पाठशाला के मुख्य अतिथि रहे भाकियू (अम्बावता) के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह

प्रखर कुशीनगर। बताते चले राज्य सरकार द्वारा समय समय पर किसानों को कृषि विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा खेती कैसे किया जाय और अनाज की पैदावार कैसे अच्छा हो पाठशाला या किसान ग्रोष्ठी के माध्यम से किसानों का मार्गदर्शन कराया जाता है। इसी संदर्भ में आज दिनांक 08 अगस्त 2023 को जनपद कुशीनगर के रामकोला विकास खण्ड के ग्राम पंचायत खोटही में "द मिलियन फार्मर्स स्कूल" दो दिवसीय किसान पाठशाला का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि रहे भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह। दो दिवसीय किसान पाठशाला के दूसरे दिन खरीफ वर्ष 2023 को कृषि विभाग के प्रशिक्षक सहायक तकनीकी प्रबंधक मार्कण्डेय तिवारी द्वारा किसानों को श्री अन्न (मिलेट्स) ज्वार, बाजरा , रागी, कंगनी, चना, कोदो,सावां, कुटकी एवं रामदाना के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया इसके महत्व उत्पादन प्रसंस्करण, प्राकृतिक खेती गौ आधारित , धान की सीधी बुआई (DSR) दलहन , तिलहन एवं सब्जी तथा कृषि विभाग की योजनाओं उद्यान्न, पशुपालन, मत्स्य पालन, गन्ना,रेशम, पराली प्रबंधन, कृषक उत्पादक संगठन (FPO) के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। दो दिवसीय किसान पाठशाला के मुख्य अथिति किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह ने किसानों को सम्बोधित करते हुए बताया कि, यदि किसान समय समय पर सरकार द्वारा चलाये गए ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेता है तो वह अपनी उन्नति खेती करके ज्यादा से ज्यादा अन्न पैदा करके अपने और अपने देश के हित में बड़ा योगदान दे सकता है। किसान देश की रीढ़ की हड्डी होता है।

यदि वास्तव में देखा जाय तो देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में किसानों का योगदान सबसे ज्यादा है। किसान अपने खेतों में दिन रात मेहनत करके अन्न पैदा करता है तब कही जाकर उनके परिवार और देश के समस्त लोगों को खाने का ब्यवस्था होता है। इसी लिये किसानों को अन्नदाता के नाम से भी जाना जाता है। इस मौके पर यूनियन के जिला सचिव चेतई प्रसाद, किसान मोहम्मद जमीर अली,रमेश दुबे, अवधेश ओझा,नरेश पांडेय, रामप्रीत, विश्वनाथ, लीलावती देवी, रामहरख, वीरेन्द्र, प्रमोद कुमार यादव के साथ साथ अन्य किसान मौजूद रहे।

प्रशासन ने जेसीबी लगवाकर हटवाया अतिक्रमण

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। मोहम्मदपुर ब्लॉक के बिंद्रा बाजार मेंहनगर रोड चौड़ीकरण हेतु मंगलवार को बिंद्रा बाजार स्थित तिराहे पर जेसीबी लगाकर बाजार वासियों द्वारा अतिक्रमण किए गए रोड का अतिक्रमण हटाया गया जिससे बाजार वासियों में हड़कंप मच गया दुकानदार अपने सामानों को हटाकर सुरक्षित स्थान पर ले जाते हुवे नजर आए। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिंद्रा बाजार मेंह नगर खरीहानी मार्ग पिछले लगभग 2 वर्षो से कार्य प्रगति पर चल रहा था छः माह पूर्व 500 मीटर दूरी पर आकर रुक गया रोड पतला होने से बाजार में जाम की स्थिति बनी रहती थी 7 जुलाई को लोक निर्माण विभाग के द्वारा रोड चौड़ीकरण हेतु राजस्व विभाग में लेखपाल कानूनगो के मौजूदगी में रोड का सीमांकन किया गया मौजूदा मकान के अंदर 10 से 15 फीट अंदर तक नापी कर लाल निशान लगा दिया गया बाजार वाली कोअपने मकान को गिरने का डर सताने लगा प्रशासन के द्वारा 17 जुलाई तक सीमा के अंदर आने वाले मकान दुकान खाली करने का मुनादी कराते हुए नोटिस दिया गया था नोटिस मिलते ही बाजार वासियों की नीद गायब हो गई बाजार वासियों ने पूर्व मंत्री व भाजपा नेता डॉक्टर कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई जिसमें सोमवार को डॉक्टर कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा के निवास स्थान पर लोक निर्माण विभाग बिजली विभाग राजस्व विभाग के अधिकारियों के द्वारा निर्णय लिया गया कि मकान छोड़कर खाली जमीनों पर रोड निर्माण किया जाएगा जो आज जेसीबी मशीन लगाकर आज अतिक्रमण हटाने का कार्य शुरू हो गया।

नगर पंचायत कार्यालय में एसडीएम ने मेरी माटी मेरा देश, हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर किया बैठक

प्रखर जफराबाद जौनपुर। नगर पंचायत जफराबाद कार्यालय परिसर में मंगलवार को एसडीएम/ प्रभारी ईओ ने मेरी माटी मेरा देश, हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तैयारियों को लेकर बैठक किया। बैठक में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। एसडीएम/ प्रभारी ईओ लाल बहादुर की अध्यक्षता में मेरी माटी मेरा देश, व हर घर तिरंगा 2023 अभियान कार्यक्रम को लेकर बैठक की गई। बैठक में एसडीएम/ प्रभारी ईओ जफराबाद लाल बहादुर ने कहा कि शासन द्वारा तिथि वार कार्यक्रम कराए जाने पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। तथा 9 अगस्त 2023 से 15 अगस्त 2023 तक आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम के कार्ययोजना तैयार की गई। यह कार्यक्रम राष्टीय कार्यक्रम है इसलिए पूरे विधि पूर्ण इसे सम्पन्न कराना है। इस दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. सरफराज खान ने कहा की प्रत्येक वार्डो के सभासद गण इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग करे। इस अवसर पर चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. सरफराज खान, सभासद सुनीता देवी, जगत नारायण, दिलशाद, परवेज कुरेशी, रविकांत, अवध नारायण, विनोद प्रजापति, डॉ. शंकराचार्य तिवारी, राजमन, जोगेंद्र निषाद, शाह नेयाज, वेद प्रकाश, ओवैस खान, रिजवान आदि मौजूद रहे।

श्रीअन्न की खेती को अपनाएं किसान

प्रखर दानगंज वाराणसी। औषधीय गुणों की खान मोटे अनाज की आवश्यकता को न सिर्फ भारत में बल्कि पूरी दुनिया ने स्वीकार किया और सराहा है।यही कारण है कि वर्ष 2023 को "अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष" के रूप में मनाया जा रहा है।ऐसे में किसानों को मोटे अनाज (श्री अन्न) की खेती को अपनाकर अपनी आय को बढ़ाना चाहिए।उक्त सलाह भाजपा के जिला उपाध्यक्ष एवं चंदौली सांसद डा.महेंद्रनाथ पाण्डेय के प्रतिनिधि अखंड प्रताप सिंह ने सोमवार को क्षेत्र के मुनारी खेल मैदान में आयोजित किसान गोष्ठी एवं कृषि निवेश मेला में उपस्थित किसानों को दी। बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा देने के साथ ही किसानों से खरीफ फसलों का बीमा कराने की अपील की। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डा.नरेंद्र रघुवंशी ने धान की फसल में खरपतवार प्रबंधन,रोग नियंत्रण

पर चर्चा की।कृषि वैज्ञानिक डा.राहुल सिंह ने समसामयिक कृषि कार्यों के साथ ही संतुलित उर्वरक प्रबंधन के सम्बंध में जानकारी प्रदान की। उप कृषि निदेशक अखिलेश कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में आत्मा योजनान्तर्गत कृषि विभाग द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया।उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी निरूपमा सिंह ने किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी प्रदान की।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ग्राम प्रधान राजेश राम ने किसानों से खेती की नवीनतम तकनीकों को अपनाने की अपील की।इस दौरान हरेंद्र प्रताप सिंह,एफपीओ के एमडी रामचंद्र पटेल,जयनाथ दुबे,पंकज भास्कर भारी संख्या में किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन खंड तकनीकी प्रबंधक देवमणि त्रिपाठी व धन्यवाद ज्ञापन ओम प्रकाश गुप्ता ने किया।

प्रबंध निदेशक पूर्वांचल से मिला विद्युत मजदूर पंचायत उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधिमंडल

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विद्युत मजदूर पंचायत उत्तर प्रदेश का एक प्रतिनिधि मंडल प्रदेश कार्यवाहक महामंत्री डॉक्टर आर0बी0 सिंह के नेतृत्व में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड प्रबंध निदेशक से मिलकर नियमित ,संविदा, निविदा कंप्यूटर ऑपरेटर, मीटर रीडर एवं कैश काउंटर कर्मचारियों से संबंधित 11 सूत्रीय मांग पत्र का पत्रक सौंपकर उसपर चर्चा की एवं संबंधित समस्याओं के समाधान कराए जाने की अपील की मांग पत्र में निदेशक मंडल द्वारा 17 मार्च 2018 को स्वीकृत 5436 पदों को शासन से अनुमोदित कराए जाने ,डिस्कॉम स्तर की चयन समिति तथा चयन समिति नंबर 1 व 2 द्वारा कर्मचारियों के रिक्त पदों पर जल्द से जल्द पदोन्नति कराए जाने, अभियंता संवर्ग की भाती कर्मचारियों के एक वर्ष के अंदर रिक्त होने वाले पदों पर वर्ष में एक बार चयन की कार्यवाही पूरी करा कर रिक्त होने वाले पदों पर पदोन्नति कराए जाने, निष्कासित संविदा कर्मियों को बहाल किए जाने उनके बकाए वेतन का भुगतान कराए जाने , सैनिक कल्याण निगम के कर्मचारियों की भर्ती संविदा के कुशल एसएसओ एवं लाइनमैन को रुपया 30,000 एवं अकुशल को रुपए 18000 प्रतिमाह भुगतान कराए जाने, कंप्यूटर ऑपरेटरों को प्रतिमाह रुपया 27000 भुगतान कराए जाने, संविदा कंप्यूटर ऑपरेटरों सहित सभी को अगले माह कि सात तारीख तक वेतन भुगतान कराए जाने, समयबद्ध वेतनमान , एसीपी के संबंध में शक्ति भवन मुख्यालय से निर्गत होने वाले दिशानिर्देश के संबंध में पत्राचार कर समस्या का निस्तारण कराया जाने अधिष्ठान संबंधित मामलों की डिस्कॉम स्तर पर समीक्षा किए जाने हेतु कार्मिक अधिकारी की अध्यक्षता में समिति का गठन किए जाने आदि संभावित है पत्रक सौपने से पूर्व वाराणसी, चंदौली ,भदोही मिजार्पुर ,सोनभद्र, के संगठन प्रतिनिधियों एवं कार्यकताओं की एक बैठक यूनियन भवन भिखारीपुर में डॉक्टर आर0बी0सिंह के अध्यक्षता में हुई जिसमें माह अक्टूबर में वाराणसी जोन एवं पूर्वांचल कमेटी का संयुक्त सम्मेलन वाराणसी में कराए जाने का निर्णय लिया गया प्रतिनिधिमंडल एवं बैठक में डॉक्टर आर0 बी0 सिंह ओ0पी0 सिंह, विजय सिंह जीउतलाल ,तपन चटर्जी, गुलाबचंद ,मुराद अली, अंकुर पाण्डेय ,नरेंद्र शुक्ला सत्य प्रकाश , विनय, राघवेंद्र गोस्वामी, शुभम यादव आदि नेताओं एवं कार्यकताओं ने भाग लिया।

लूट के सामान के साथ तीन गिरफ्तार

प्रखर जौनपुर। बरसठी पुलिस ने थाना क्षेत्र अन्तर्गत भैंसहा के पास स्वर्ण व्यवसायी के साथ लूट की घटना का सफल अनावरण करते हुए घटना कारित करने वाले तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लूट के सामान और नगदी व घटना में प्रयुक्त तमंचा व मोटर साइकिल बरामद करने का दावा किया है। थाना बरसठी पुलिस व स्वाट टीम 28 जुलाई को थाना बरसठी अन्तर्गत भैंसहा के पास स्वर्ण व्यवसाई के साथ हुई लूट की घटना का सफल अनावरण किया गया। बता दें कि 28 जुलाई को सांय काल विनोद कुमार सोनी के साथ भैंसहा के पास तीन अज्ञात बदमाशों द्वारा पिस्टल से हमला कर बैग व मोटर साइकिल लूट ली गई थी जिसके सम्बन्ध में थाना बरसठी पर मामला पंजीकृत कर विवेचनात्मक कार्यवाही प्रचलित थी। इलेक्ट्रानिक सर्विलांस व मैनुअल इंटेलिजेंस की सहायता से घटना कारित करने वाले तीन अभियुक्तों को लूट के सामान सहित फरिदाबाद हरियाणा से स्थानीय पुलिस थाना डबुआ जनपद फरिदाबाद की मदद से गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्यवाही के उपरान्त अभियुक्तों का चालान माननीय न्यायालय किया गया।

बिरनों व नोनहरा पुलिस ने किया तमन्चा व कारतूस संग दो अभियुक्त को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद के कुशल मार्गदर्शन में मगंलवार को उप निरीक्षक ओमप्रकाश यादव मय हमराह के सेनोबांध चट्टी पर मौजूद थे कि जरिये मुखबिर खास सूचना मिली कि एक व्यक्ति बद्धोपुर नहर पुलिया के पास अवैध तमन्चा व कारतूस लिये हुए है, यदि जल्दी किया जाय तो पकड़ा जा सकता है मुखबिर की इस सूचना पर विश्वास कर उप निरीक्षक ओमप्रकाश यादव मय हमराही कर्मचारीगण के मौके से प्रस्थान कर बद्धोपुर नहर पुलिया पहुँच कर उससे नाम पता पूँछा तो अपना नाम मंजूर पुत्र इकबाल अहमद निवासी ग्राम रसूलपुर व्यवहारा थाना मुबारकपुर जनपद आजमगढ़ हालपता अलीपुर मदरा (चांदपार) थाना भुड़कुड़ा गाजीपुर उम्र करीब 35 वर्ष बताया। जामा तलाशी लेने से एक अदद देशी तमंचा .315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद हुआ । अभियुक्त उपरोक्त को कारण गिरफ्तारी बताते हुये समय करीब 04.45 बजे पुलिस हिरासत में लिया गया । स्थानीय थाना पर अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक ओमप्रकश यादव, हेड कांस्टेबल जगदम्बा प्रसाद , कांस्टेबल महिपाल गौड़ शामिल रहे। इसी प्रकार कासिमाबाद थानाध्यक्ष संतोष कुमार राय के मार्गदर्शन में मंगलवार को नोनहरा पोखरा के पास से उप निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार यादव मय हमराह मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त शौकत कुरैशी पुत्र आजम कुरैशी निवासी ग्राम नोनहरा थाना नोनहरा जनपद गाजीपुर के पास एक अदद नाजायज तमंचा .315 बोर एक अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद किया गया। अभियुक्त शौकत कुरैशी पुत्र आजम कुरैशी निवासी ग्राम नोनहरा थाना नोनहरा जनपद गाजीपुर को कारण गिरफ्तारी से अवगत कराते हुए समय 11.45 बजे हिरासत पुलिस में लिया गया। अभियुक्त के विरूद्ध थाना स्थानीय पर अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गाजीपुर कजरी काव्य संगम में कवियों ,कलाकारों ने देर रात्रि तक बरसात की रिमझिम बूंदों के साथ कविता, गीत, काव्य, मुक्तकों से बाधा शमां

गाजीपुर दर्पण सम्मान 2023 से मंचीय एवं आनलाईन 108 विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को किया गया सम्मानित

प्रखर पूर्वान्चल गाजीपुर। गाजीपुर जिला अंतर्गत नगसर हाल्ट थाना एवं रेलवे स्टेशन के निकट अवती,असांव में प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा, मिशन जामवंत से हनुमान तक एवं साहित्यिक उन्नयन संघ द्वारा गाजीपुर पब्लिक स्कूल प्रांगण में गाजीपुर काव्य संगम एवं गाजीपुर दर्पण सम्मान समारोह का आयोजन पंचदीप प्रज्ज्वलन प्रमुख संरक्षक सूर्य कुमार सिंह, श्रीप्रकाश कुमार श्रीवास्तव गणेश, राजेश्वर तिवारी, डॉ.सुबाष चंद्र एवं नगसर हाल्ट थाना प्रभारी राजेश मिश्रा ने संयुक्त रूप से प्रख्यात शिक्षाविद् एवं वरिष्ठ कवि धर्मदेव यादव के अध्यक्षता में कवि इंद्रजीत तिवारी निर्भीक के प्रमुख संयोजन संचालन में,अवती के पूर्व प्रधान सुशील कुशवाहा एवं असांव के प्रधान श्रीप्रकाश तिवारी पप्पू के स्वागत संरक्षण में मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य इंजीनियर मनीष पाण्डेय के गरिमामयी उपस्थिति में प्रथम सत्र में कवि सम्मेलन प्रारंभ हुआ स्वागत संयोजन दिलीप चौहान बागी, कृष्णानंद दूबे गोपाल, यशवंत यादव ने किया` उक्त अवसर पर कवि रंगबहादुर सिंह औषधि पण्डित ने अरे रामा छाई घटा घनघोर,गगन में कारी बदरिया ना, धर्मदेव यादव ने अरे रामा अईलै आजादी क दिनवां, झूमेला मोर मनवां ए हरि, इंद्रजीत निर्भीक ने -अरे रामा कईसे के सब्जी,दाल खाई,बढ़ल बा महंगाई ए हरि, विनय पाण्डेय ने उसकी आंखों की दरिया में वो अंबर भी उतर जाए उसकी सूरत को जो देखे,वो नजरें ठहर जाए, हेमन्त उपाध्याय निर्भीक ने भृकुटि तनी हुई थी, आंखों से वो लाल था, नींद कैसे आए जब देश का सवाल था,अपने गाजीपुर का वो अमर शहीद वीर अब्दुल हमीद लाल था, डॉ.सुबाष चंद्र ने अहिस्ता- अहिस्ता तूं चल ए जिन्दगी,अभी तो कई कर्ज चुकाना बाकी है हरिशंकर पाण्डेय ने - कितनी बातें हैं तुम्हारी जेहन, घर कर लेती हैं, फौरन जेहन में, दिनेश चंद्र शर्मा ने जीवन में पूर्ण होगा सब काम,बोलो राम -राम-राम, सुरेन्द्र सिंह चांस ने -सुख से जीना है तो दवा कम लिजिए,योग क्रिया ध्यान पर अपना लिजिए, हर्षित पवन ने - जब भी मौका मिले, मुस्कुरा लिजिए, बांटिए बांटकर के बढ़ा लिजिए, कृष्णानंद दूबे गोपाल ने - श्रीराम - श्रीकृष्ण का अनुशरण कीजिए, अपने जीवन को सार्थक बना लिजिए, यशवंत यादव ने - गाजीपुर के बहादुरों का बलिदान अनोखा है,जब - जब देश को संघर्ष करना पड़ा अपने लहू से सींचा है,वाह भाई वाह टीवी. चैनल के कवि रामाकांत यादव ने जब देख राम को उपवन में सीता संग सखियां आई, डॉ. रामअवध कुशवाहा ने - जामवंत ने शब्दों से नवाजा ऐसा जो गरजकर टूट पड़े सागर पर और समुन्द्र लांघ दी, त्रिवेणी स्वराज्य पचौरी ने अपने देशवा क रखिह जा लाज बचवा सुनाकर वाहवाही लूटे ` प्रथम सत्र के मुख्य अतिथि इंजीनियर मनीष पांडेय जिला पंचायत सदस्य एवं द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वर्तमान जमानियां विधायक ओमप्रकाश सिंह के प्रतिनिधि मन्नू सिंह को गाजीपुर दर्पण सम्मान, स्मृति चिन्ह,अंगवस्त्रम प्रवासी मजदूर मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एच. पाण्डेय ,पूर्व प्रधान जनकदेव राय, पूर्व प्रधान सुशील कुशवाहा एवं प्रमुख संयोजक संचालक कवि इंद्रजीत तिवारी निर्भीक ने भेंट किया ` धन्यवाद आभार डा.विजय नारायण तिवारी,दिलीप चौहान बागी,कमलेश तिवारी एवं रामगोपाल तिवारी ने संयुक्त रूप से किया।

संक्षिप्त खबरें

राकेश टिकैत की जनसभा को सफल बनाने को लेकर भाकियू ने की बैठक

प्रखर अदलहाट मिजार्पुर। भारतीय किसान यूनियन जनपद मिजार्पुर के द्वारा मठ गढ़वा घाट आश्रम कुटी बडभुईली अदलहाट में एक अति आवश्यक बैठक की गई जिसकी अध्यक्षता श्री अरुण कुमार सिंह और संचालन जिला महासचिव वीरेंद्र सिंह ने किया, बैठक में 10 अगस्त को शास्त्री घाट ,कचहरी के पास, वाराणसी में होने वाले किसान महा पंचायत में किसानों को संबोधित करने के लिए किसान मसीहा राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत जी पधार रहे हैं,महापंचायत मे मिजार्पुर जनपद से अधिक से अधिक संख्या में किसान भाग लेंगे, अपील की गई,। और कल दिनांक 09/08/2023 को भा कि यू का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी महोदया से मिलकर जनपद में बांधो से नहरों की होने वाली संचालन के संदर्भ में वार्ता कर पानी खुलवाने की मांग करेगा जिससे किसानों के धान की रोपाई हो सकें। आज के बैठक में प्रदेश महासचिव प्रहलाद सिंह किसान, प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह ,जिला अध्यक्ष कंचन सिंह फौजी ,जिला महासचिव वीरेंद्र सिंह, जिला कोषाध्यक्ष स्वामी दयाल सिंह, जिला उपाध्यक्ष अवधेश नारायण सिंह, जिला सचिव विश्वनाथ सिंह, मंडल कार्यकारिणी सदस्य मुकुट धारी सिंह, परशुराम मौर्य , घूरे प्रसाद बिंद, तहसील अध्यक्ष रामबृक्ष सिंह, डॉक्टर रामप्यारे सिंह, गोरखनाथ सिंह, रामचंद्र सिंह, बासुदेव, मो. अलाउद्दीन, मो. मेराज, लक्ष्मण सिंह, लल्लन, प्रसाद, राजाराम रहे।

ईजा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव के नेतृत्व में गोल्डन फॉर्चून के एमडी प्रमुख समाजसेवी संतोष यादव को किया सम्मानित

आजमगढ़। आइडियल जनरलिस्ट एसोसिएशन के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव संजय कुमार पांडेय के नेतृत्व में गोल्डन फॉर्चून के एमडी प्रमुख समाजसेवी संतोष कुमार यादव को जमुड़ी शाहगढ आजमगढ़ स्थित होटल रिजॉर्ट मे तहसील इकाई निजामाबाद द्वारा तहसील अध्यक्ष राहुल कुमार पाण्डेय व जिला संरक्षक आफताब आलम, जिला संयोजक मनोज पाण्डेय द्वारा माल्यार्पण कर एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अपने सम्मान से वशीभूत होकर समाजसेवी संतोष यादव ने कहा कि आज मुझे जो सम्मान मिला है मैं इसके लिए आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं और ईजा द्वारा पत्रकार हित मे जो भी कार्य किए जा रहे हैं उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। निजामाबाद तहसील अध्यक्ष राहुल कुमार पाण्डेय की समाजसेवी संतोष यादव ने प्रशंसा करते हुए कहा कि पत्रकारों के सम्मान में जो भी सहयोग की आवश्यकता होगी उसके लिए हम हर समय तैयार हैं।सम्मान कार्यक्रम के उपरांत ईजा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव संजय कुमार पांडे ने कहा कि आइडियल जर्नलिस्ट एसोसिएशन पत्रकारों के साथ हमेशा कदम से कदम मिलाकर चलती रहती है उसी क्रम में क्षेत्र में जो भी अच्छे कार्य करते हैं उन्हें भी समय-समय पर ईजा द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाता है उसी क्रम में आज गोल्डन फॉर्चून के एमडी प्रमुख समाजसेवी संतोष कुमार यादव को तहसील इकाई निजामाबाद द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

दुर्वासा धाम में चल रहे श्री हरिहरात्मक महायज्ञ की पूणार्हुति तपोमूर्ति थे संत शिरोमणि मौनी बाबा- स्वामी रामकृष्ण दास

प्रखर आजमगढ़। दुवार्सा धाम स्थित मौनी बाबा यज्ञशाला में 2 अगस्त से चल रहे सात दिवसीय श्री हरिहरात्मक महायज्ञ की मंगलवार को धूमधाम के साथ पूणार्हुति हुई, विद्वान ब्राह्मणों ने यज्ञकर्ता स्वामी शुभम दास जी महाराज और अन्य यजमान के हाथों वैदिक रीति से पूणार्हुति और हवन क्रिया संपन्न कराया, भारी संख्या में भक्त जनों ने पूजन और मंडप परिक्रमा कर पुण्य अर्जित किया। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी रामकृष्ण दास जी महाराज ने साकेतलोक वासी ब्रह्मर्षि मौनी बाबा रामलाल दास जी महाराज को चमत्कारी सिद्धियों का स्वामी बताते हुये कहा कि ऐसे संत मिल जाये तो भगवंत के मिलने में विलम्ब नहीं है, उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि मौनी बाबा तपोमूर्ति थे और सदैव परोपकार में लगे रहते थे। स्वामी जी ने महर्षि दुवार्सा के इस स्थान को अत्यंत ऊजार्वान बताया और कहा कि यहाँ से सदैव लोगों का कल्याण होता रहता है इस मौके पर आश्रम के महंत हरिप्रसाद दास,चन्द्रमा ऋषि आश्रम के महंत बमबम गिरि,पंडित सुभाष चंद्र तिवारी कुंदन, राजनाथ पाण्डेय, रामशंकर चतुवेर्दी, हरिकेश चौबे, बुलबुल सिंह, नागा बाबा , संजय सिंह,सुभाष शास्त्री,शिवचंद दास , दीपचंद , सहित अनेक स्थान के साधु, संत और भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। अंत में लोगों ने भंडारा का प्रसाद ग्रहण किया!

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आज

प्रखर पिंडरा वाराणसी। अभ्युदय सेवा समिति के बैनर तले नर सेवा नारायण सेवा के तहत जमुना सेवा सदन अस्पताल द्वारा वृहद निःशुल्क नेत्र जांच शिविर 9 अगस्त को सुबह 9 बजे से पिंडरा स्थित पॉवर हाउस के सामने लगेगा। उक्त नेत्र शिविर में प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ आकाश टण्डन आई फ्लो, दृष्टि जांच, मोतिया बिंद, व आँख के पर्दे की जांच निशुल्क करेंगे। उक्त जानकारी ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रामू गुप्ता व समाजसेवी विपिन चौरसिया ने दी।

बढ़ रहे कंजक्टिवाइटिस के मरीज

लखनऊ। इन दिनों नेत्र रोग से पीड़ित मरीजों की संख्या में इजाफा होने लगा है, इनमें कई मरीज कंजक्टिवाइटिस से पीड़ित होकर आ रहे हैं। नेत्र रोग विशेषज्ञ के अनुसार पिछले 15 दिनों में कंजक्टिवाइटिस के मरीजों की संख्या बहुत बढ़ी है। कंजक्टिवाइटिस की संख्या बढ़ने के पीछे बदलता मौसम प्रमुख वजह है। गर्मी और उमस के चलते वायरस में म्यूटेशन की संभावना भी अधिक होती है। इसके चलते आंखों में संक्रमण के मामले भी तेजी से बढ़े है।

नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ. नितिन मित्तल सहारा हॉस्पिटल

सहारा हास्पिटल के नेत्र रोग विशेषज्ञ डा.नितिन मित्तल ने बताया कि यह एक संक्रामक बीमारी है। इससे बचाव के लिए साफ-सफाई का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। आमतौर पर कंजक्टिवाइटिस जैसे संक्रमण को ठीक होने में एक-दो सप्ताह लगते हैं। हालांकि, इस बार लोगों को ज्यादा ड्राप्स देने की जरूरत पड़ रही है। उन्होंने बताया कि कंजक्टिवाइटिस के लक्षण दिखने पर बच्चों को स्कूल न भेजें। लोगों को कार्यालय जाने से परहेज करना चाहिए, क्योंकि इससे अन्य लोगों में संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है।

कंजक्टिवाइटिस के मरीजों को 3-5 दिनों के लिए आइसोलेट होने की सलाह दी जाती है। इससे मरीजों की संख्या बढ़ने से भी रोका जा सकता है। उन्होंने कहा, अगर घर का कोई सदस्य इस संक्रमण की चपेट में है तो एक सप्ताह के लिए उसके कपड़े, तकिया, रूमाल और बर्तन अलग कर देना चाहिए। कंजक्टिवाइटिस का सबसे आम लक्षण आंखों का लाल होना है। इसके अलावा आंखों में खुजली, जलन और अधिक पानी बहने की समस्या भी होती है।

मरीज फोटो-सेंसिटिव हो सकते हैं यानी उन्हें तेज रोशनी से परेशानी हो होती है, इसलिए मरीजों को काला चश्मा पहनने की सलाह दी जाती है। वायरस संपर्क या तरल के जरिए फैलता है इसलिए सफाई का विशेष ध्यान रखें। आंखों को कम से कम छुएं और अगर आसपास कोई मरीज है तो उससे दूरी बनाएं। यह मुख्यतः संपर्क से फैलता है। आपको केवल संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से यह बीमारी होने का खतरा होता है। यह भी सलाह दी है कि जो लोग कंप्यूटर पर ज्यादा देर तक काम करते

है उन्हें अपनी आंखों की पलकों को बार-बार झपकाना चाहिए, इससे पानी की कमी नहीं होती है और आंखें स्वस्थ रहती है।

सहारा इंडिया परिवार के वरिष्ठ सलाहकार श्री अनिल विक्रम सिंह जी ने कहा कि हास्पिटल में मरीजों का इलाज विश्वस्तरीय तकनीक से किया जाता है। इसके साथ ही मरीजों को सभी चिकित्सा सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिलती है। इसी क्रम में सहारा हॉस्पिटल लोगों को निरंतर अपनी सेवाएं देकर सहारा इंडिया परिवार के मुख्य अभिभावक सहाराश्री जी के विजन को सार्थक कर अपनी भूमिका निभा रहा है। सहारा हॉस्पिटल का नेत्र विभाग अपने कुशल व अनुभवी सेवाएं उचित मूल्य पर देने को तत्पर है।

कंजक्टिवाइटिस के लक्षण-

- एक या दोनों आंखों का लाल या गुलाबी दिखाई देना
- एक या दोनों आंखों में जलन और खुजली होना
- असामान्य रूप से आंसू निकलना
- आंखों से पानी जैसा या गाढ़ा डिस्चार्ज निकलना
- आंखों में किरकिरी महसूस होना और सूजन आना

इन बातों का रखें ध्यान

- कान्टेक्ट लेंस का इस्तेमाल करने से बचें
- रूमाल, तौलिया आदि को शेयर न करें, टिशू पेपर का इस्तेमाल बेहतर है
- कंजक्टिवाइटिस पीड़ित मरीजों से दूरी बनाकर रखें
- अगर घर में कोई संक्रमित है तो उसे आइसोलेट करें
- संक्रमित व्यक्ति स्वीमिंग कतई न करें, हर दो घंटे में हाथ धोएं या सैनिटाइज करें
- धूल, केमिकल और तेज धूप से बचें
- आंखों पर काला चश्मा लगाएं
- भीड़भाड़ वाली जगह पर जाने से बचें

- गर्मी और उमस के चलते वायरस में म्यूटेशन की संभावना
- सहारा हास्पिटल के नेत्र रोग विशेषज्ञ चिकित्सक की कंजक्टिवाइटिस से बचाव पर सलाह

नितिन देसाई की मौत

व एनसीएलएटी के फैसले को जोड़ने की कोशिश कर रहा एडलवाइस

मुंबई (आईएएनएस)। एडलवाइस फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (ईएफएसएल) ने एनसीएलएटी के फैसले को मशहूर कला निर्देशक नितिन देसाई की आत्महत्या से 'जोड़ने' का प्रयास किया है। दोनों में 24 घंटे का अंतर है। रविवार को बीएसई को एक फाइलिंग में, ईएफएसएल ने पुष्टि की कि उसने 150 करोड़ रुपये (2016) और 35 करोड़ रुपये (2018) का ऋण मौजूदा बाजार दरों पर देसाई को दिया था, जैसा कि रायगढ पुलिस एफआईआर (4 अगस्त) में देसाई की एनडी आर्ट वर्ल्ड प्राइवेट लिमिटेड (एनडीएडब्ल्यूपीएल) को बताया गया था। हालांकि, एनडीएडब्ल्यूपीएल को 2019 में वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और डिफ़ॉल्ट में चला गया, और इसकी वित्तीय स्थिति में सुधार करने के प्रयास विफल रहे। ऋण सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा ले लिए गए थे, जिसने कानूनी कार्यवाही भी शुरू की। एडलवाइस एआरसी ने एक नीलामी प्रक्रिया के तहत सीएफएम से संपत्तियों का एक पोर्टफोलियो हासिल किया, इसमें एनडीएडब्ल्यूपीएल भी शामिल था, और पहले शुरू की गई कानूनी कार्रवाइयों को जारी रखा। आखिरकार, 25 जुलाई को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) द्वारा एनडीएडब्ल्यूपीएल को आईबीसी के तहत स्वीकार कर लिया गया। ईएफएसएल ने फाइलिंग में कहा, एनसीएलटी के आदेश के खिलाफ नितिन देसाई की अपील को अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने 01 अगस्त, 2023 को खारिज कर दिया और अगली सुबह उन्होंने आत्महत्या कर ली। एडलवाइस ने चार अगस्त को देसाई की विधवा नेहा की शिकायत के आधार पर रायगढ पुलिस की एफआईआर में लगाए गए आरोपों का उल्लेख नहीं किया है।

एडलवाइस ग्रुप ने दोहराया है कि वह देसाई के दुखद निधन से दुखी है, और यह भारतीय फिल्म उद्योग के लिए एक बड़ी क्षति है

किसी भी गलत काम से इनकार करते हुए, एडलवाइस ग्रुप ने दोहराया है कि वह देसाई के दुखद निधन से दुखी है, और यह त्भारतीय फिल्म उद्योग के लिए एक बड़ी क्षति है, यह आश्वासन देते हुए कि वह मामले में अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग करेगा। एनपीए खातों पर वसूली करना केवल लेनदार का अधिकार नहीं, बल्कि एक दायित्व भी है। एफआईआर में एडलवाइस एआरसी के प्रबंध निदेशक और सीईओ आर.के बंसल, सीएमडी रशेष शाह, स्मित शाह, केयूर मेहता और जीतेंद्र कोठारी का नाम शामिल है।

नई दिल्ली (आईएएनएस)। इस वीकेंड बॉक्स ऑफिस पर बड़ी टक्कर होगी, क्योंकि इस शुक्रवार को 'गदर-2' और 'ओह माय गॉड-2' रिलीज होंगी। दोनों फिल्में सीक्वल हैं और उनका अपना फैन बेस है। सिनेलवर्स के बीच अपनी फेवरेट मूवी को लेकर खास एक्साइटमेंट है। रिसर्च एनालिस्ट जिनेश जोशी का कहना है कि 'गदर-2' सिंगल स्क्रीन में दर्शकों की भारी संख्या को इक्ट्ठा कर सकती है। फिल्म के लिए एडवांस बुकिंग ट्रेंड काफी हाई है। दिलचस्प बात यह है कि 'गदर-2' का निर्माण जी स्टूडियोज़ ने किया है, जबकि 'ओह माय गॉड-2' का निर्माण वायाकॉम18 स्टूडियोज ने किया है। बॉलीवुड से परे, रजनीकांत स्टारर 'जेलर' और चिरंजीवी स्टारर 'भोला शंकर' भी इस वीकेंड रिलीज होने वाली हैं। 'जेलर' का निर्माण सन पिक्चर्स द्वारा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रजनीकांत दो साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं, जबकि चिरंजीवी के फैंस 'वाल्टेयर वीरय्या' (उनकी आखिरी रिलीज) के हिट के बाद उत्साहित है।

बॉक्स ऑफिस पर बड़ी फिल्मों की टक्कर, सनी देओल और अक्षय कुमार होंगे आमने-सामने

दीपिका ने बताया, 'कैसे इंसान से करनी चाहिए शादी'

दीपिका के अनुसार, ऐसा पार्टनर ढूंढो जो आपको हंसते हुए देखकर खुश हो। दीपिका ने कहा, कोई ऐसा व्यक्ति जिसके साथ आप हंस सकते हैं।

मुंबई (आईएएनएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर 'अपने सबसे अच्छे दोस्त से शादी करने' के बारे में एक पोस्ट साझा की। उन्होंने पोस्ट में अपने पति रणवीर सिंह को भी टैग किया।

एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम फीड में एक नोट शेयर किया, जिसमें लिखा, अपने सबसे अच्छे दोस्त से शादी करें। मैं यह बात हल्के में नहीं कह रही हूं। वास्तव में, आप जिस व्यक्ति से प्यार करते हैं उसमें सबसे मजबूत, सबसे खुशहाल दोस्ती पाते हैं। कोई ऐसा व्यक्ति जो आपके बारे में बहुत अधिक बोलता हो। कोई ऐसा व्यक्ति जिसके साथ आप हंस सकते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे कंफर्ट एक हेल्दी मैरिटल लाइफ के प्रमुख स्तंभों में से एक है और साझा किया कि किसी को भी अपने पार्टनर के सामने दिल खोलकर हंसने से पीछे नहीं हटना चाहिए, चाहे यह कितना भी शर्मनाक क्यों न लगे।

दीपिका के अनुसार, ऐसा पार्टनर ढूंढो जो आपको हंसते हुए देखकर खुश हो। दीपिका ने कहा, कोई ऐसा व्यक्ति जिसके साथ आप हंस सकते हैं। उस तरह की हंसी जिससे आपके पेट में दर्द होने लगता है। किसी ऐसे व्यक्ति से प्यार न करने के लिए जीवन बहुत छोटा है जो आपको उनके साथ मूर्ख बनने देता है। सुनिश्चित करें कि वे ऐसे व्यक्ति हैं जो आपको भी रोने देते हैं। एक्ट्रेस ने साझा किया कि इस तरह का प्यार कभी कम नहीं होता है, किसी ऐसे व्यक्ति को ढूंढें जिसे आप अपने साथ रखना चाहते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उस व्यक्ति से शादी करें जो जुनून, प्यार और पागलपन को एक साथ लाकर आपके साथ आगे बढ़ता हो। एक ऐसा प्यार जो कभी कम नहीं हो- भले ही पानी गहरा और अंधेरा हो। रणवीर और दीपिका ने 2018 में इटली में शादी की थी। दोनों ने पहली बार संजय लीला भंसाली की फिल्म 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' में काम किया था।

वेंकटेश्वर मंदिर के विस्तार के लिए पांच करोड़ का दान

तिरुपति (भाषा)। तमिलनाडु में नौ लोगों के एक समूह ने चेन्नई स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के विस्तार के वास्ते जमीन खरीदने के लिए तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को सोमवार को पांच करोड़ रुपये का दान दिया। तमिलनाडु राज्य राशि चेन्नई के व्यस्त टी. नगर में वेंकटनारायण रोड पर स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के विस्तार के लिए भूमि की प्रस्तावित खरीद में योगदान देने के लिए दी गई है।' एलएसी ने मंदिर के विस्तार के लिए उससे सटी 35 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन

के लिए टीटीडी की स्थानीय सलाहकार समिति (एलएसी) के अध्यक्ष शेखर रेड्डी के नेतृत्व में दानदाताओं के प्रतिनिधिमंडल ने अन्नमय्या भवन में मंदिर निकाय के अध्यक्ष वाई वी सुब्बा रेड्डी को मांग ड्राफ्ट (डीडी) सौंपा। टीटीडी ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'यह को चिह्नित किया है। इस भूखंड को खरीदने के लिए कुछ और लोग पहले ही आठ करोड़ रुपये से अधिक राशि दान दे चुके है। टीटीडी तिरुपति स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर मंदिर का आधिकारिक संरक्षक है।

'गदर 2' के सेट पर मैं एक्टर से ज्यादा फैन गर्ल थी : सिमरत कौर

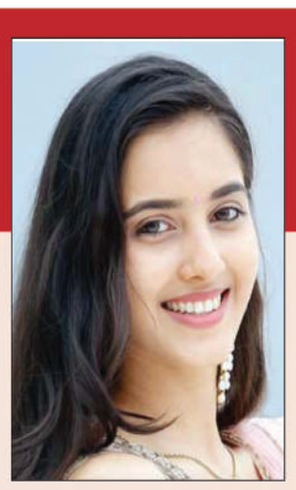

मुंबई (आईएएनएस)। फिल्म 'गदर 2' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं एक्ट्रेस सिमरत कौर फिल्म की रिलीज को लेकर काफी एक्साइटेड और नर्वस हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि एक एक्टर से ज्यादा, वह 'गदर 2' के सेट पर हमेशा फैनगर्ल मोमेंट्स का अनुभव करती थीं। साउथ में काम कर चुकीं सिमरत फिल्म 'गदर 2' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं।

फिल्म में काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, कुछ लोग कुछ खास चीजों का सपना देखते हैं और जब वह पूरे होते है तो खुशी होती है। लेकिन मेरे साथ, मैंने कभी इसका सपना नहीं देखा था। इसलिए मैं बेहद उत्साहित और खुश हूं। फिल्म के लिए इमोशनल हूं। एक अभिनेता से ज्यादा, इस फिल्म पर मेरा अनुभव फैनगर्ल जैसा रहा है। मैं 'गदर 2' के सेट पर एक फैनगर्ल थी। मैं सेट पर पूरी तरह आश्चर्यचकित होकर घूमती रहती थी। सिमरत ने यह साझा करते हुए कहा कि उन्हें यह फिल्म कैसे मिली। 'गदर 2: द कथा कंटीन्यूज' एक पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन और निर्माण अनिल शर्मा ने किया है। यह 2001 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' का सीक्वल है। सनी देओल, अमीषा पटेल, उत्कर्ष शर्मा और सिमरत अभिनीत यह फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वरुण के साथ एक्शन फिल्म में दिखाई देंगी वामिका

मुंबई (भाषा)। टीवी सीरीज 'जुबली' की अभिनेत्री वामिका गब्बी फिल्म निर्माता एटली और उनकी पत्नी प्रिया मोहन के बैनर तले बनने वाली आगामी एक्शन फिल्म में वरुण धवन के साथ दिखाई देंगी।

'ए फॉर एप्पल स्टूडियोज' के बैनर तले बनने वाली इस फिल्म का निर्देशन 2019 में आई तमिल फिल्म 'की' से पहचान बनाने वाले कलीस करेंगे। यह फिल्म 31 मई 2024 को रिलीज होगी। फिल्म का सह-प्रोडक्शन मुराद खेतानी का 'सिने1 स्टूडियोज' भी करेगा। अभी फिल्म के नाम और उसकी कहानी का खुलासा नहीं किया गया है। इसमें राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कीर्ति सुरेश भी एक अहम भूमिका निभाएंगी। गब्बी ने एक बयान में कहा, 'मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत रोमांचित हूं। वरुण धवन तथा कीर्ति सुरेश के साथ काम करने का मौका मिलना कुछ ऐसा है जिसकी मैं तलाश कर रही थी। मैं पूरी तरह से व्यावसायिक हिंदी फिल्म करने का इंतजार कर रही थी और यह इंतजार खत्म हो गया। मैं मुराद सर तथा एटली के साथ काम करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं।' 'ग्रहण', 'माई' तथा 'जुबली' में अपने अभिनय के लिए पहचानी जाने वाली गब्बी अभी हंगरी के बुडापेस्ट में शूटिंग कर रही हैं।

अभिनेता राघवेंद्र की पत्नी स्पंदना का बैंकॉक में निधन

बेंगलुरु (भाषा)। कन्नड़ फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता और फिल्म निर्देशक विजय राघवेंद्र की पत्नी स्पंदना का सोमवार को बैंकॉक में निधन हो गया। उनके परिवार ने यह जानकारी दी। 44 वर्षीय स्पंदना अपने रिश्तेदारों के साथ थाइलैंड की राजधानी में छुट्टियां मनाने गई थीं और अपनी शूटिंग पूरी करने के बाद राघवेंद्र भी उनके साथ शामिल हो गए थे।

श्री मुरली ने बैंकॉक में मौजूद अपने भाई राघवेंद्र के हवाले से यहां संवाददातों को बताया, 'वह कल रात सोने गई थीं लेकिन आज सुबह नहीं उठीं। हमें लगता है कि मौत की वजह निम्न रक्तचाप हो सकती है। स्पंदना सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी बीके शिवराम की बेटी और कांग्रेस विधान पार्षद बीके हरिप्रसाद की भतीजी थीं। उन्होंने 'अपूर्वा' फिल्म में एक छोटी सी भूमिका भी अदा की थी। हरिप्रसाद ने कहा, 'स्पंदना सुबह नहीं उठीं।

संक्षिप्त खबरें

केकी मिस्त्री सलाहकार बने

मुंबई। सायरस पूनावाला समूह ने अपने वित्तीय सेवा उद्यमों के लिए केकी मिस्त्री को सलाहकार नियुक्त किया है। मिस्त्री 2010 से एचडीएफसी के वाइस चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी थे। एचडीएफसी बैंक में एचडीएफसी के विलय के बाद मिस्त्री समूह की कंपनी एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी के गैर-कार्यकारी वाइस चेयरमैन और एचडीएफसी बैंक में अतिरिक्त एवं गैर-कार्यकारी निदेशक नियुक्त किए गए। सायरस पूनावाला समूह, दवा, जैव प्रौद्योगिकी, वित्त, स्वच्छ ऊर्जा, होटल, विमानन आदि विभिन्न क्षेत्रों में काम करता है।

जेन को भारी मुनाफा

नई दिल्ली। जेन टेक्नोलॉजीज का चालू वित्त वर्ष 2023-24 में की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में शुद्ध लाभ कई गुना वृद्धि के साथ 47.09 करोड़ रुपए रहा। कंपनी का पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में शुद्ध लाभ 7.46 करोड़ रुपए था। जेन टेक्नोलॉजीज ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की बिक्री 3.5 गुना होकर 132.45 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले वर्ष समान तिमाही में 37.07 करोड़ रुपए थी। यह जानकारी कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अशोक अटलुरी ने दी।

इमामी का सोया चंक्स लांच

नई दिल्ली। इमामी ने हेल्दी एंड टेस्टी एडवांस सोया चंक्स को बाजार में बिक्री के लिए लांच किया है। यह एक ऐसी 'सोया बड़ी' है, जो आपके आहार को पांच अत्यावश्यक तत्वों से भरपूर बनाती हैं और आपको '5 का दम' देती है। इमामी एग्रोटेक में सेल्स और बिजनेस डेवलपमेंट के वीपी प्रफुल्ल आंचलिया ने कहा कि इमामी हेल्दी एंड टेस्टी एडवांस सोया चंक्स पिछले दो सालों में पश्चिम बंगाल में सफलता हासिल करने के बाद, अब बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के बाजारों में कदम रखा है।

यथार्थ के शेयर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में निजी अस्पतालों का संचालन करने वाली कंपनी यथार्थ हास्पिटल एंड ट्रामा केयर सर्विसेज लिमिटेड के शेयर सोमवार को 300 रुपए के निर्गम मूल्य से दो प्रतिशत प्रीमियम के साथ सूचीबद्ध हुए। शेयर बीएसई पर 1.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 304 रुपए पर सूचीबद्ध हुए। बाद में ये 13.63 प्रतिशत बढकर 340.90 रुपए पर पहुंच गए। एनएसई पर कंपनी के शेयर निर्गम मूल्य से दो प्रतिशत प्रीमियम के साथ 306.10 रुपए पर सूचीबद्ध हुए।

अप्रावा एनर्जी का करार

नई दिल्ली। अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी अप्रावा एनर्जी ने अपनी परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों आरईसी लिमिटेड और पावर फाइनेंस कारपोरेशन (पीएफसी) के साथ प्रारंभिक समझौता किया है। इस समझौते के तहत ये कंपनियां उसे 9,120 करोड़ रुपए देंगी। कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, आरईसी द्वारा गोवा में आयोजित ग्रीन फाइनेंस समिट के दौरान समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह जानकारी अप्रावा के एमडी राजीव रंजन मिश्रा ने दी।

अडाणी ने एनर्जी वित्त जुटाया

नई दिल्ली। अडाणी एनर्जी सोल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने मुंबई की ग्रीन हाई वोल्टेज डायरेक्ट करंट (एचवीडीसी) लिंक परियोजना के लिए एक अरब डालर का वित्त जुटा लिया है। कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस 80 किलोमीटर की बहुआयामी परियोजना की मदद से मुंबई में नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति बढ़ेगी। एईएसएल (पूर्व में अडाणी ट्रांसमिशन लिमिटेड) ने एक बयान में कहा कि इस लिंक का निर्माण कार्य अक्टूबर, 2023 में शुरू होगा।(एजेंसी)

वाहनों की खुदरा बिक्री में दर्ज किया गया 10 फीसद इजाफा

■ इस साल जुलाई के महीने में तिपहिया वाहनों की बिक्री में दर्ज की गई सर्वाधिक 74 फीसद तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली (भाषा)।

यात्री वाहनों, दोपहिया और ट्रैक्टर सहित सभी खंडों में मजबूत मांग के चलते जुलाई में वाहनों की खुदरा बिक्री 10 प्रतिशत बढ़ी। आटो डीलरों के निकाय फाडा ने सोमवार को यह जानकारी दी।

आंकड़ों के मुताबिक पिछले महीने वाहनों की कुल बिक्री बढ़कर 17,70,181 इकाई हो गई, जो जुलाई 2022 में 16,09,217 इकाई थी। जुलाई में यात्री वाहनों की बिक्री चार प्रतिशत बढ़कर 2,84,064 इकाई हो गई, जो एक साल पहले समान अवधि में 2,73,055 इकाई थी।

- जुलाई में आर्डरों में देखी गई अच्छी बढ़ोतरी
- बाढ़, बारिश से प्रभावित हुई है बिक्री
- फाडा की रिपोर्ट में दी गई है यह जानकारी

इस महीने आर्डर में वृद्धि हुई। हालांकि उत्तर भारत में मानसून के गंभीर असर और बाढ़ जैसी स्थितियों के कारण बिक्री पर असर भी पड़ा

मनीष राज सिंघानिया
अध्यक्ष, फाडा

04 फीसद का इजाफा यात्री वाहनों की बिक्री में हुआ

08 फीसद का इजाफा टू व्हीलर की बिक्री में रहा

02 फीसद बढ़ी व्यावसायिक वाहनों की बिक्री

फेडरेशन आफ आटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने बताया कि इस महीने आर्डर में वृद्धि हुई। हालांकि उत्तर भारत में मानसून के गंभीर असर और बाढ़ जैसी स्थितियों के कारण बिक्री पर असर पड़ा।

दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री आठ प्रतिशत बढ़कर 12,28,139 इकाई हो गई। वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री पिछले महीने सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़कर 73,065 इकाई रही। तिपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में 74 प्रतिशत की जोरदार बढ़ोतरी हुई। ट्रैक्टर की बिक्री 21 प्रतिशत बढ़ी।

संजय कुमार ने सीबीआईसी चेयरमैन पद का काम संभाला

नई दिल्ली (भाषा)।

भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारी संजय कुमार अग्रवाल ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चयरमैन पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सीबीआईसी ने ट्विटर पर लिखा है, '1988 बैच के सी एंड आईटी (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर समूह) अधिकारी संजय कुमार अग्रवाल ने पांच अगस्त 2023 को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर व सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन पद का कार्यभार संभाला।' अग्रवाल ने विवेक जोहरी की जगह ली है, जो 31 मई को सीबीआईसी प्रमुख के पद से सेवानिवृत्त हुए।

चमड़ा व कपड़ा उद्योग पर कर व शुल्क कम करने की तैयारी

■ कच्चे माल पर लिया जाएगा कम शुल्क ■ इस पर काम कर रहा नीति आयोग

नई दिल्ली (भाषा)।

नीति आयोग इंजीनियरिंग, चमड़ा और कपड़ा क्षेत्रों में तैयार माल के मुकाबले कच्चे माल पर कम शुल्क लगाने समेत कर से जुड़े मुद्दों पर गौर कर रहा है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों की वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए मामले के समाधन को लेकर इसे उच्च प्राधिकरणों के समक्ष रखा जा सकता है। चमड़ा और इंजीनियरिंग क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने कहा कि उन्होंने नीति आयोग के साथ जीएसटी (माल एवं सेवा कर) और उलट शुल्क ढांचे यानी कच्चे माल के मुकाबले तैयार उत्पादों पर अधिक शुल्क लगाने से संबंधित मुद्दों की एक सूची साझा की है। उद्योग के एक अधिकारी ने कहा, 'हम उम्मीद करते हैं कि सरकार उन मुद्दों को

हल करेगी क्योंकि इससे देश से विनिर्माण और निर्यात को बढावा देने में मदद मिलेगी।'

चमड़ा क्षेत्र ने वेट ब्ल्यू (नमी वाला क्रोम-टैन्ड चमड़ा), क्रस्ट (वैसा चमड़ा जिसे टैनिंग के बाद सुखाया जाता है लेकिन रंगा नहीं गया है) और तैयार चमड़े के आयात पर बुनियादी सीमा शुल्क की बहाली की सिफारिश की है। यह कदम महत्वपूर्ण है क्योंकि ये तीनों क्षेत्र श्रम प्रधान हैं और देश के वस्तु निर्यात में इनका महत्वपूर्ण योगदान है

चमड़ा और जूता उद्योग में 44.2 लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है। वित्त वर्ष 2022-23 में इसका निर्यात 5.26 अरब डालर था।

पिछले वित्त वर्ष में इंजीनियरिंग निर्यात कुल मिलाकर 107 अरब डालर था, जबकि कपड़ा क्षेत्र का निर्यात उस दौरान लगभग 36 अरब डालर था।

नौ अगस्त को निजीकरण विरोधी दिवस के रूप में मनाएंगे बिजली इंजीनियर

नई दिल्ली (भाषा)।

आल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन ने सोमवार को कहा कि वह सरकार के 'निजीकरण अभियान' के विरोध में नौ अगस्त को निजीकरण विरोधी दिवस के रूप में मनाएगा।

यह निर्णय पिछले सप्ताह राष्ट्रीय राजधानी में बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों की राष्ट्रीय समन्वय समिति (एनसीसीओईईई) की बैठक में लिया गया। एसोसिएशन ने बयान में कहा कि एआईपीईएफ, बिजली (संशोधन) विधेयक-2022 सहित (सरकार द्वारा) सभी निजीकरण प्रयासों को वापस लेने के नारे के साथ नौ अगस्त को देश के सभी राज्यों की राजधानियों और केंद्र शासित प्रदेशों में, निजीकरण विरोधी दिवस मनाएगा।'

एआईपीईएफ के अध्यक्ष शैलेन्द्र दुबे ने कहा कि 124 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया और 2,400 संविदा कर्मचारियों को उत्तर प्रदेश में नौकरी से हटा दिया गया है और उन्हें अभी तक बहाल नहीं किया गया है।

वाहन कलपुर्जा उद्योग ने किया रिकार्ड कारोबार

■ चालू वर्ष में दो अंकों में वृद्धि का लक्ष्य

नई दिल्ली (भाषा)।

घरेलू वाहन कलपुर्जा उद्योग ने वित्त वर्ष 2022-23 में अब तक का सर्वाधिक कारोबार दर्ज किया है। मजबूत मांग के साथ ही उद्योग को चालू वित्त वर्ष में बिक्री में दो अंक की वृद्धि की उम्मीद है।

वाहन कलपुर्जा विनिर्माता संघ के अनुसार वाहन कलपुर्जा क्षेत्र ने पिछले वित्त वर्ष में 5.6 लाख करोड़ रुपए का कारोबार किया, जो 2021-22 में 4.2 लाख करोड़ रुपए के कारोबार से 33 प्रतिशत अधिक है। 2022-23 में निर्यात पांच प्रतिशत बढ़कर 1.61 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि आयात 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1.63 लाख करोड़ रुपए रहा।

एसीएमए ने कहा कि घरेलू बाजार में ओईएम को कलपुर्जों की बिक्री 39.5 प्रतिशत बढ़कर 4.76 लाख करोड़ रुपए हो गई। इसके अलावा खुले बाजार में बिक्री 15 प्रतिशत बढ़कर 85,333 करोड़ रुपए रही।

एसीएमए के अध्यक्ष संजय कपूर ने कहा, 'सेमीकंडक्टर की उपलब्धता, कच्चे माल की लागत और लॉजिस्टिक जैसे आपूर्ति पक्ष के मसलों में उल्लेखनीय राहत के साथ उम्मीद है कि 2023-24 भी वाहन उद्योग के लिए अच्छा रहेगा।

विधि व लेखा स्नातक भर्ती करेगा आयकर विभाग

■ फिलहाल की जाएगी 50 युवाओं की नियुक्तियां

नई दिल्ली (भाषा)।

आयकर विभाग ने आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) में मुकदमों को अच्छी तरह लड़ने के लिए 50 युवा विधि और चार्टर्ड अकाउंटेंट (लेखाकार) स्नातकों को अस्थायी रूप से नियुक्त करने का फैसला किया है। ये पेशेवर मुकदमों की तैयारी में विभागीय अधिकारियों की मदद करेंगे।

हाल ही में अधिसूचित 'युवा पेशेवर योजना, 2023' के तहत 35 वर्ष तक आयु के उम्मीदवारों को विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों में नियुक्त किया जाएगा। इन पेशेवरों को 40,000 रुपए के मासिक पारिश्रमिक पर नियुक्त किया जाएगा।

आयकर विभाग के एक नीति पत्र के अनुसार, यह योजना 'आईटीएटी में विभागीय प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए लाई जा रही है और इसमें विधि और चार्टर्ड अकाउंटेंट में युवा स्नातकों की भागीदारी होगी।'

आर्डर और राजस्व बढ़ने से मुनाफे में आई मीशो

नई दिल्ली (भाषा)।

साफ्टबैंक समर्थित ई-कामर्स कंपनी मीशो एकीकृत आधार पर जुलाई में मुनाफे में आ गई है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मीशो के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विदित आत्रे न कहा कि पिछले 12 महीने में कंपनी के आर्डर की संख्या 43 प्रतिशत बढी है और राजस्व में 54 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिससे कंपनी अब मुनाफे में आ गई है। आत्रे ने कहा कि मीशो के मुनाफे में आने से वह गौरान्वित महसूस कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि पिछले 12 महीने में 85 प्रतिशत आर्डर मंच पर पहले भी खरीदारी कर चुके ग्राहकों से मिले, जो मंच के प्रति लोगों के विश्वास को दर्शाता है।

शेयरों में लगातार दूसरे दिन तेजी

■ सेंसेक्स 232 अंक चढ़ा, निफ्टी में दर्ज की गई 80 अंक की बढ़त

मुंबई (भाषा)।

स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 232 अंक के लाभ में रहा। वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बावजूद महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और रिलायंस इंडस्ट्रीज में तेजी से बाजार बढ़त में रहा। हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी जारी रहने से बाजार जोरदार बढ़त नहीं दर्ज कर सका।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 232.23 अंक यानी 0.35 प्रतिशत की बढ़त के साथ 65,953.48 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 346.65 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी भी 80.30 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,597.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा सर्वाधिक चार प्रतिशत से अधिक मजबूत हुआ। इसके अलावा सन फार्मा, बजाज फिनसर्व, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, जेएसडब्ल्यू स्टील, विप्रो, मारुति, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक में भी प्रमुख रूप से तेजी रही।

दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में भारतीय स्टेट बैंक, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, नेस्ले और एचडीएफसी बैंक शामिल हैं। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की लाभ में जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा।

टाटा प्ले की सेवाएं अब जीसैट 24 से

नई दिल्ली (वार्ता)।

डीटीएच सेवाएं देने वाली कंपनी टाटा प्ले की सेवाएं आज से जीसैट 24 उपग्रह से शुरू हो गई हैं और अब इस पर देश में उपलब्ध लगभग सभी नौ सौ चैनल उपभोक्ताओं को मिलेंगे।

पहले टाटा स्काई के नाम से प्रसिद्ध टाटा प्ले ने सरकार के मेक इन इंडिया मिशन के अनुरूप जून 2022 में इसरो की वाणिज्यिक इकाई न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड के साथ गठबंधन कर जीसैट-24 उपग्रह का प्रक्षेपण किया था। एक वर्ष तक के परीक्षण के बाद टाटा प्ले ने अपने कक्ष में

स्थापित हो चुके इस उपग्रह का उपयोग सोमवार से शुरू करने की घोषणा की। इस बढ़ी हुई बैंडविड्थ से टाटा प्ले अपने उपयोगकर्ताओं को और भी बेहतर पिक्चर और ध्वनि प्रदान कर पाएगा और 50 प्रतिशत ज्यादा चैनल प्रसारित कर पाएगा।

इस सेवा के शुभारंभ के मौके पर दूरसंचार और सूचना एवं प्रसारण सचिव अपूर्व चंद्रा ने कहा है कि जीसैट 24 सफलतापूर्वक शुरू होने से अंतरिक्ष और संचार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की ओर एक और कदम बढ़ाया है।

सऊदी अरामको का दूसरी तिमाही का शुद्ध लाभ घटा

दुबई (एपी)।

सऊदी की सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी सऊदी अरामको का चालू साल की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ सालाना आधार पर करीब 40 प्रतिशत घटकर 30 अरब डालर रहा। तेल की कीमतें कम होने के कारण कंपनी के मुनाफे में गिरावट आई है।

कंपनी ने सऊदी शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल बिक्री करीब 106 अरब डालर रही, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 150 अरब डालर थी। सऊदी अरामको के अनुसार, 'मुख्य रूप से कच्चे तेल की कीमतों में कमी और कमजोर रिफाइनिंग मार्जिन के कारण' यह गिरावट आई है।

आडिट प्रक्रियाओं व साक्ष्यों को रिकार्ड में रखना जरूरी

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) के चेयरमैन अजय भूषण प्रसाद पांडेय ने आडिट के लिए अपनायी गई प्रक्रियाओं, साक्ष्यों आदि को रिकार्ड में लाने (ऑडिट दस्तावेजीकरण) की जरूरत बताई है। एनएफआरए लेखा परीक्षक पेशे पर नजर रखने और लेखा मानकों तथा आडिट नियमों पर सरकार को परामर्श देने वाला निकाय है।

'ऑडिटः कंपनी संचालन का स्तंभ' विषय पर आयोजित एक वेबिनार में उन्होंने कहा कि लेखा परीक्षकों के हित में यह महत्वपूर्ण है कि आडिट में अपनाये गए तौर-तरीकों का बेहतर तरीके से रिकार्ड में रखा जाए। यानी उसे दस्तावेज का रूप देना जरूरी है। पांडेय ने कहा, 'अगर आपने आडिट का दस्तावेजी रूप (आडिट के तौर-तरीकों, प्राप्त साक्ष्यों और निष्कर्षों को दस्तावेजी रूप देना) तैयार किया है, तब आप जरूरत पड़ने पर अपने कार्यों को सही ठहरा सकते है। अगर कोई सवाल उठाया जाता है, दस्तावेज ही आपके काम को सही ठहराएगा।' उन्होंने कहा कि अगर आडिट का 'दस्तावेजीकरण' सही तरीके से नहीं हुआ है, तो यह आडिटर को कठिनाई में डाल सकता है। एनएफआरए प्रमुख ने यह भी कहा कि प्रतिभूति बाजार में खुदरा निवेशकों की बढ़ती संख्या के बीच कंपनी संचालन की बेहतर गतिविधियां महत्वपूर्ण हैं।

50 अरब डालर तक पहुंच सकता है चिकित्सकीय उपकरण उद्योग

■ वर्ष 2030 तक हासिल किया जा सकता है यह लक्ष्य ■ इसके लिए जीटीआरआई ने सरकार को सुझाए छह बिन्दु

नई दिल्ली (भाषा)।

सीमा शुल्क बढ़ाने, पुराने उपकरणों के आयात पर प्रतिबंध व मूल्यवर्धित उत्पादन के लिए प्रोत्साहन योजना शुरू करने जैसे कदमों से भारत का चिकित्सकीय उपकरण उद्योग 2030 तक 50 अरब डालर तक पहुंच सकता है। जीटीआरआई ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही।

'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव' (जीटीआरआई) ने क्षेत्र के विकास में तेजी लाने के लिए सरकार और उद्योग को छह कार्य बिंदु सुझाए हैं।

उसने सरकार से उन वस्तुओं के आयात पर भुगतान किए गए आईजीएसटी (एकीकृत माल व सेवा कर) के लिए इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की अनुमति नहीं देने को भी कहा, जिन पर मूल सीमा शुल्क शून्य है। रिपोर्ट में विदेशी प्रभाव का मुकाबला करने और भारत निर्मित उत्पादों के लिए

स्थानीय स्तर पर सामग्रियां जुटाने पर जोर देने का सुझाव भी दिया गया।

जीटीआरआई के सह-संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, 'भारतीय चिकित्सकीय उपकरण उद्योग 2030 तक 12 अरब अमेरिकी डालर से बढकर 50 अरब अमेरिकी डालर तक पहुंच सकता है।

इससे आयात निर्भरता 35 प्रतिशत तक कम हो जाएगी और निर्यात 3.4 अरब डालर (वर्तमान में) से बढकर 18 अरब डॉलर हो जाएगा। भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र के व्यापक होने के कारण उद्योग स्मार्टफोन क्षेत्र से अधिक वृद्धि कर सकता है, जिसके 2030 तक 600 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।'

उन्होंने कहा कि इससे चिकित्सकीय उपकरण निर्माण, अस्पतालों और प्रयोगशालाओं जैसी स्वास्थ्य सेवाओं में 15 लाख नौकरियों का सृजन हो सकता है।

इंडियन एनर्जी एक्सचेंज का कुल कारोबार 19% बढ़ा

नई दिल्ली (भाषा)।

बिजली खरीद-बिक्री बाजार इंडियन एनर्जी एक्सचेंज का कारोबार जुलाई महीने में 19 प्रतिशत बढ़कर 852.2 करोड़ यूनिट रहा। बीते वर्ष इसी महीने में बिजली कारोबार 715.1 करोड़ यूनिट रहा था।

इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) ने सोमवार को एक बयान में कहा, 'आईईएक्स का बिजली कारोबार इस साल जुलाई में 852.2 करोड़ यूनिट रहा। इसमें हरित बिजली का कारोबार 27.5 करोड़ यूनिट, 6.24 लाख नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र (62.4 करोड़ यूनिट के बराबर) और 70,222 ऊर्जा बचत प्रमाणपत्र (सात करोड़ यूनिट के बराबर) शामिल हैं।

क्रॉली व वोक्स मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नामित

दुबई। एशेज सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले जैक क्रॉली और क्रिस वोक्स के साथ-साथ नीदरलैंड के युवा खिलाड़ी बास डी लीडे को आईसीसी ने जुलाई माह के लिए मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड के लिए नामित किया गया है। महिल वर्ग से दो ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर एलिसे पेरी और एश्ले गार्डनर के साथ-साथ इंग्लैंड की स्टार ऑलराउंडर नेट साइवर-ब्रंट को जुलाई के लिए आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।

पाक के मुख्य चयनकर्ता बने इंजमाम उल हक

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक को दूसरी बार मुख्य चयनकर्ता नियुक्त किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को एक ट्वीट के जरिये इसकी पुष्टि की। यह पद पिछले महीने हारून रशीद के इस्तीफा देने के बाद से खाली पड़ा था। इंजमाम इससे पहले 2016 से 2019 के बीच भी पाकिस्तान के मुख्य चयनकर्ता रह चुके हैं। दूसरे कार्यकाल में उनकी पहली जिम्मेदारी अफगानिस्तान के खिलाफ 22 अगस्त से होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम चुनना होगा।

आईएसएल : मोहन बागान की लगातार दूसरी जीत

कोलकाता,(एजेंसी)। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की मौजूदा चैंपियन मोहन बागान सुपर जायंट्स ने डूरंड कप फुटबॉल मैच में आई-लीग विजेता पंजाब एफसी को सोमवार को यहां 2-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत हासिल की। इस मैच में जीत दर्ज करने के बाद भी मोहन बागान का प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं था और उसे किस्मत का भी साथ मिला ग्रुप ए की तालिका में मोहन बागान दो मैचों में छह अंक के साथ शीर्ष पर है। जबकि ईस्ट बंगाल के नाम एक अंक है। ईस्ट बंगाल ने बांग्लादेश आर्मी एफटी के खिलाफ ड्रॉ मुकाबला खेला था।

पेनल्टी शूटआउट में जीता इंग्लैंड

फीफा महिला वर्ल्डकप: नाइजीरिया को हराकर क्वार्टरफाइनल में पक्की की जगह

ब्रिसबेन, (एजेंसी)। इंग्लैंड ने फीफा महिला विश्व कप के सांस रोक देने वाले प्री-क्वार्टरफाइनल में सोमवार को नाइजीरिया को शूटआउट में 4-2 (फुल टाइम 0-0) में हराकर शीर्ष-आठ में प्रवेश कर लिया।

इंग्लैंड और नाइजीरिया के बीच मुकाबला अतिरिक्त समय के बाद भी गोलरहित रहने के कारण विजेता का फैसला शूटआउट से हुआ। नाइजीरिया के पास नौ विश्व कप आयोजनों में पहली बार एक नॉकआउट मैच जीतने का मौका था लेकिन इंग्लैंड ने उसके दो गोलों की तुलना में चार गोल जमाकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। फीफा महिला विश्व कप से अमेरिका के बाहर होने के बाद यूरोपीय चैंपियन इंग्लैंड खिताब जीतने का प्रबल दावेदार है। क्वार्टरफाइनल में इंग्लैंड का सामना कोलंबिया और जमैका में से किसी एक से होगा।

शूटआउट का रोमांच

इंग्लैंड	✗	✓	✓	✓	✓
नाइजीरिया	✗	✗	✓	✓	●

करो या मरो के मुकाबले में भारत को जीत की जरूरत

विंडीज के खिलाफ तीसरा टी-20 मैच आज

गयाना,(एजेंसी)। लगातार दो हार के बाद भारतीय टीम मंगलवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ गयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में खेले जाने वाले तीसरे मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। वहीं विंडीज की निगाहें सीरीज में अजेय बढ़त बनाने पर होंगी।

भारतीय टीम पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 2-0 से पीछे है, ऐसे में उसे सीरीज पर कब्जा करने के लिए बचे हुए तीनों मुकाबले जीतने होंगे। भारतीय टीम के लिए इशान किशन और शुभमन गिल की ओपनिंग जोड़ी ने दो मैचों में खराब प्रदर्शन किया। ऐसे में यशस्वी जायसवाल को ओपनर के तौर पर टीम में जगह मिल सकती हैं। यशस्वी के टीम में आने से इशान किशन, शुभमन गिल और संजू सैमसन में से कोई एक बाहर होगा। पिछले दो मैचों में तिलक वर्मा के अलावा कोई भी भारतीय बल्लेबाज ने अपनी छाप नहीं छोड़ी। सूर्यकुमार यादव और संजू सैमसन को भी क्रीज पर टिक कर बल्लेबाजी करनी होगी।

मौसम का मिजाज

गुयाना में मैच के समय बारिश होने की संभावना है। तीसरे टी20 में तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। वहीं बारिश होने के 24 फीसदी की उम्मीद जताई जा रही है।

हार्दिक को निभानी होगी फिनिशर की भूमिका

हार्दिक पांड्या को बल्लेबाज के तौर पर पारी फिनिश करने की भूमिका निभानी होगी। अक्षर पटेल नंबर 7 पर आते हैं। इसके बाद खिलाड़ी ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक सकते। ऐसे में हार्दिक को अंत तक बल्लेबाजी कर और टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाना होगा। दूसरे टी20 में कप्तान हार्दिक पांड्या के कुछ फैसलों पर सवाल उठे। अक्षर से उन्होंने गेंदबाजी नहीं कराई। इसके अलावा युजवेंद्र चहल से भी 4 ओवर न कराने पर सवाल हुए। भारतीय टीम को दोनों ही खिलाड़ियों का भरपूर इस्तेमाल करना होगा।

पिच रिपोर्ट: गयाना की पिच को हमेशा से ही स्पिन गेंदबाजों के मुफीद मानी जाती है। पहले वनडे में भी यहां बल्लेबाजों को रन बनाने में मुश्किल हो रही थी और रविवार सात अगस्त को खेले गए दूसरे टी20 में भी यही देखने को मिला। गेंद काफी फंस कर आ रही थी। यही कारण था कि मैच में रनों का अंबार देखने को नहीं मिला।

पूरन पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना : भारत के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच में वेस्टइंडीज की जीत के हीरो निकोलस पूरन पर सोमवार को मैच के दौरान अंपायरों की सार्वजनिक आलोचना करने के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। उन्हें खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ की आईसीसी आचार संहिता के नियम 2.7 का दोषी पाया गया।

डेनमार्क को हराकर ऑस्ट्रेलिया अंतिम-8 में

सिडनी के स्टेडियम ऑस्ट्रेलियो पर खेले गये दिन के एक अन्य मुकाबले में, ऑस्ट्रेलिया ने डेनमार्क को 2-0 से मात दी। केटलीन फूर्ड (29वां मिनट) और हेली रूसो (70वां मिनट) ने विजेता टीम के गोल किए। क्वार्टरफाइनल में ऑस्ट्रेलिया का सामना फ्रांस या मोरक्को में से किसी एक से होगा। खिताब के प्रबल दावेदारों अमेरिका, जर्मनी और ब्राजील के बाहर हो जाने से ऑस्ट्रेलिया के पास चैंपियन बनने का सुनहरा मौका है। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह अच्छी खबर है कि उसकी स्टार स्ट्राइकर सैम केर ने पिंडली की चोट से उबर कर वापसी कर ली है। उन्होंने 75,784 दर्शकों के सामने जब 80वें मिनट में मैदान पर कदम रखा तो उनके प्रशंसकों ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। केर इस टूर्नामेंट में पहली बार मैच खेलने के लिए उतरी। फोर्ड ने 29वें मिनट में मैरी फाउलर के पास पर गोल करके ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिलाई जबकि रोसो ने 70वें मिनट में इसे दोगुना किया।

इंग्लैंड की लॉरेन जेम्स को मिला रेड कार्ड

इंग्लैंड को हालांकि नाइजीरिया के डिफेंस के खिलाफ मौके बनाने के लिए जूझना पड़ा। इंग्लैंड की मुसीबत निर्धारित समय का खेल खत्म होने से पांच मिनट पहले तब और बढ़ गई जब स्टार फारवर्ड लॉरेन को वीएआर समीक्षा के बाद लाल कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया गया। डिफेंडर मिशेल एलोजी के खिलाफ फाउल के बाद रैफरी मेलिसा बोर्जास ने शुरुआत में लॉरेन को पीला कार्ड दिखाया था लेकिन बाद में उन्हें लाल कार्ड दिखाया गया क्योंकि रीप्ले में दिखा कि इंग्लैंड की खिलाड़ी ने दोबारा खड़ा होने पर डिफेंडर पर पैर रखकर हिंसक व्यवहार किया था। ब्रिटिश मीडिया ने तुरंत इसकी तुलना फ्रांस में 1998 विश्व कप में अर्जेंटीना के डिएगो शिमोन को किक करने के लिए डेविड बेकहम के लाल कार्ड से की।

भारतीय हॉकी टीम सेमीफाइनल में पहुंची

एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी: कोरिया को 3-2 से हराया

चेन्नई, (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी में सोमवार को कोरिया को 3-2 से हराकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

मैच के पहले क्वॉर्टर में नीलकांत शर्मा (छठा मिनट) और सुंगह्युन किम (12वां मिनट) के गोलों से भारत और कोरिया बराबरी पर रहे, लेकिन दूसरे क्वार्टर में हरमनप्रीत सिंह (23वां मिनट) और तीसरे क्वॉर्टर में मनदीप सिंह (33वां मिनट) ने गोल जमाकर मेजबान टीम को बढ़त दिला दी। मैच के आखिरी क्षणों में जिहुन यांग (58वां मिनट) ने कोरिया का दूसरा गोल जमाया लेकिन इस समय तक मुकाबला उनकी टीम के हाथ से निकल चुका था। भारत चार मैचों में 10 अंकों के साथ सेमीफाइनल में पहुंच चुका है। भारत के अलावा सिर्फ मलेशिया (चार मैच, नौ अंक) ने शीर्ष-चार में जगह बनायी है। सेमीफाइनल में पहुंच चुकी भारतीय टीम का आखिरी पूल चरण मुकाबला बुधवार को चिर-प्रतिद्वंदी पाकिस्तान से होगा, जबकि कोरियाई टीम सेमीफाइनल में पहुंचने के इरादे के साथ मलेशिया से भिड़ेगी। मलेशिया ने भारत के हाथों मली हार से उभरते हुए जापान को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट में जोरदार वापसी की।

मेसी के दो गोल से जीता इंटर मियामी

लीग कप के अंतिम-8 में बनाई जगह

नई दिल्ली। लियोनल मेसी ने अपनी कप्तानी में इंटर मियामी को पहली बार लीग कप के क्वॉर्टर फाइनल में पहुंचा दिया हैं। 2019 में शुरू हुए टूर्नामेंट का यह तीसरा संस्करण है।

टेक्सास के टोयोटा स्टेडियम में इंटर मियामी ने एफसी डलास के खिलाफ खेला गया मैच निर्धारित 90 मिनट तक 4-4 की बराबरी पर रहने के बाद पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से अपने नाम किया। अब टीम क्वॉर्टर फाइनल में 11 अगस्त को ह्यूस्टन डायनेमो या चार्लोट एफसी से होगा। इंटर मियामीके लिए लियोनेल मेसी ने (छठवें और 85पें मिनट) दो गोल दागे। इसके अलावा बेंजामिन क्रेमास्कि (65वें मिनट में) और मार्को फरफान ने (80वें मिनट में) एक-एक गोल दागा। वहीं रॉबर्ट टेलर ने आत्मघाती गोल किया। एफसी डलास के लिए फाकुंडो क्विकनॉन ने (37वें मिनट में), बर्नार्ड कामुंगो ने (45वें मिनट में) 1और एलन वेलास्को ने (63वें मिनट में) में एक-एक गोल दागा।

डेनियल विटोरी सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच नियुक्त

हैदराबाद। आईपीएल की 2016 की चैंपियन फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद ने डेनियल विटोरी को नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को इसकी घोषणा की। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान विटोरी 2014 से 2018 के बीच रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के मुख्य कोच रह चुके हैं और इस समय ऑस्ट्रेलियाई टीम के सहायक कोच की भूमिका निभा रहे हैं। वह सनराइजर्स में बतौर मुख्य कोच ब्रायन लारा की जगह लेंगे। सनराइजर्स ने पिछले छह सीजनों में चौथी बार नया कोच नियुक्त किया है। लारा (2023) के एक वर्षीय कार्यकाल से पहले टॉम मूडी (2019, 2022) और ट्रेवर बेलिस (2020-21) भी दो-दो साल फ्रेंचाइजी के साथ बिता चुके हैं। फिलहाल विटोरी द हंड्रेड में बर्मिंघम फीनिक्स पुरुष टीम के मुख्य कोच हैं। वह इससे पहले कैरिबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) में बारबाडोस रॉयल्स, बिग बैश लीग में ब्रिस्बेन हीट और वाइटैलिटी ब्लास्ट में मिडलसेक्स के साथ भी मुख्य कोच के रूप में काम कर चुके हैं।

किलियन एम्बाप्पे पीएसजी के साथ नहीं करेंगे प्रैक्टिस

नई दिल्ली। किलियन एम्बाप्पे पेरिस सेंट-जर्मेन की पहली टीम के साथ प्रशिक्षण नहीं लेंगे, क्योंकि क्लब के साथ उनका अनुबंध विवाद अब भी जारी है। फीफा 2022 में उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें कई बड़े मुकाम तक पहुंचा दिया। पीएसजी ने अपने फ्रेंच खिताब को बचाने की तैयारी शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि एम्बाप्पे ए प्रशिक्षण समूह के बजाय लॉफ्ट समूह के साथ प्रशिक्षण लेंगे, जो ऐसे खिलाड़ी होते हैं जिनका टीम में खेलना तय नहीं होता। 24 साल के फ्रांस के कप्तान के कॉन्ट्रैक्ट में महज एक साल बचा हुआ है। एम्बाप्पे पीएसजी के साथ अपने अनुबंध को रिन्यू नहीं कराना चाहते। इसलिए, पीएसजी फ्री ट्रांसफर पर एम्बाप्पे को नहीं जाने देना चाहता है और क्लब ने इस खिलाड़ी को बेचने का फैसला किया है। यही कारण है कि पीएसजी ने उन्हें जापान के प्री सीजन दौरे के लिए नहीं चुना था। बाद में उन्होंने सऊदी अरब के सबसे सफल क्लब अल हिलाल के प्रतिनिधियों के साथ किसी भी चर्चा से इनकार कर दिया।

वनडे वर्ल्डकप संघा और हार्डी को मिला मौका, लाबुशेन जगह बनाने में रहे नाकाम

ऑस्ट्रेलिया की 18 सदस्यीय क्रिकेट टीम घोषित

मेलबर्न, (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने मंगलवार को भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए चयनित ऑस्ट्रेलिया की 18-सदस्यीय टीम घोषित की।

ऑस्ट्रेलियाई टीम में लेग-स्पिनर तनवीर संघा और हरफनमौला आरोन हार्डी को जगह दी। संघा और हार्डी ने अभी तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण नहीं किया है। वहीं दाएं हाथ के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को टीम में शमिल नहीं किया गया हैं। लाबुशेन को टीम में जगह न मिलना आश्चर्य की बात है क्योंकि उन्होंने 2020 में पदार्पण करने के बाद से वह सिर्फ आठ एकदिवसीय मैचों में ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा नहीं रहे हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के पिछले नौ वनडे मैचों में भी टीम का हिस्सा रहे थे।

छह सप्ताह के रिहैब पर पैट कमिंस

कप्तान पैट कमिंस विश्व कप में कंगारुओं की अगुआई करेंगे, हालांकि दक्षिण अफ्रीका और भारत के खिलाफ उनका खेलना संशय में है। एशेज टेस्ट सीरीज के दौरान कमिंस की कलाई में फ्रैक्चर हुआ था जिसके कारण उन्हें छह हफ्ते के लिए आराम करने की सलाह दी गई है। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने बताया कि कमिंस के बायीं त्रिज्या में एक अव्यवस्थित फ्रैक्चर है जिसके लिए छह सप्ताह के रिहैब की आवश्यकता है। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले आराम करने से उन्हें फायदा होगा।

ऑस्ट्रेलिया की प्रारंभिक विश्व कप टीम

पैट कमिंस (कप्तान), शॉन एबॉट, एश्टन आगर, एलेक्स कैरी, नेथन एलिस, कैमरन ग्रीन, आरोन हार्डी, जॉश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जॉश इंग्लिस, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर संघा, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टॉइनिस, डेविड वार्नर, एडम जम्पा।

मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बोले, यह संतुलित टीम...

मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा कि टीम अच्छी तरह से संतुलित है और उन्हें विश्वास है कि ऑस्ट्रेलिया 1987, 1999, 2003, 2007 और 2015 में अपनी पिछली सफलताओं के बाद छठा विश्व कप खिताब जीत सकती है। बेली ने कहा, सीमित ओवरों के क्रिकेट में यह टीम कई वर्षों से बेहद प्रभावशाली रही है। इस समूह में भारी मात्रा में कौशल और अनुभव है, जिसकी आपको विश्व कप में जरूरत है।

28 सितंबर तक करना होगा 15 सदस्यीय टीम का ऐलान: आईसीसी ने सोमवार को बताया कि वनडे विश्व कप में हिस्सा लेने वाले सभी 10 देशों को अपनी फाइनल-15 सदस्यीय टीम का ऐलान 28 सितंबर तक करना है। अभी केवल ऑस्ट्रेलिया ने अपनी प्रारंभिक 18 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। उसे भी तय सीमा तक अपनी-15 सदस्यीय टीम की घोषणा करनी होगी। हालांकि, इसके बाद भी टीमों में बदलाव की गुंजाइश होगीलेकिन उस स्थिति में क्रिकेट बोर्ड को आईसीसी से अनुमति लेनी होगी।

अमेरिका की कोको गॉफ ने जीता डीसी ओपन खिताब

वाशिंगटन। अमेरिका की 19 वर्षीय कोको गॉफ ने डीसी ओपन को खिताब जीता। यह उनके डब्ल्यूटीए टूर करियर का चौथा एकल खिताब है । गॉफ ने फाइनल मैच में मारिया सक्कारी को 6-2, 6-3 से हराकर इस हार्डकोर्ट टूर्नामेंट के महिला वर्ग में सबसे युवा विजेता बनी। वहीं 33 वर्ष के डैन इवांस पुरुष वर्ग में 1988 के बाद सबसे उम्रदराज चैम्पियन बन गए। उन्होंने आंधी तूफान के कारण दो घंटे से अधिक विलंब से खेले गए फाइनल में टालोन ग्रीकस्पूर को 7-5, 6-3 से हराया। जिम्मी कोनोर्स ने 1988 में 35 वर्ष की उम्र में यह खिताब जीता था।

जानिए महिलाओं को क्यों होती है लिवर संबंधी समस्या, ऐसे लक्षण दिखने पर समझ लें डैमेज हो रहा लिवर

आजकल लिवर संबधी बीमारियां काफी बढ़ गई हैं। गलत खान-पान, अनहेल्दी लाइफस्टाइल, अनुवांशिक कारण, अल्कोहल का सेवन और तनाव आदि के कारण लिवर की बीमारियां होती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में लिवर डिजीज का खतरा अधिक होता है। वहीं महिलाओं में ऑटो-इम्यून डिजीज लिवर इंफ्लेमेशन और हेपेटाइटिस होने की संभावना अधिक रहती है। वहीं इसके अलावा भी कई कारण हैं, जिसके चलते महिलाओं को लिवर से जुड़ी बीमारी का खतरा रहता है।

फैटी लिवर डिजीज- बता दें कि महिलाओं में नॉन-अल्कोहॉलिक फैटी लिवर डिजीज का खतरा काफी हद तक हम होता है। लेकिन अगर महिलाएं इसकी शिकार हो जाती हैं, तो उसके गंभीर रुप या पुरुषों के मुकाबले ज्यादा लिवर फ्राइब्रोसिस होने के चांसेज होते हैं। अनहेल्दी लाइफस्टाइल, मोटापा और इस स्थिति को गंभीरता से न लेना महिलाओं की सेहत पर बुरा असर डाल सकता है। हालांकि पुरुषों में भी इसका खतरा कम नहीं होता है। वहीं अल्कोहॉलिक फैटी लिवर का खतरा पुरुषों में अधिक होता है। अल्कोहल मेटाबॉलिज्म और बॉडी कम्पोजिशन में अंतर होने के कारण महिलाएं इसका ज्यादा शिकार होती हैं।

ऑटोइम्यून और वायरल हेपेटाइटिस- महिलाओं में वायरल हेपेटाइटिस और ऑटो इम्यून का खतरा अधिक रहता है। ऑटोइम्यून हेपिटाइटिस एक ऐसी क्रॉनिक कंडीशन है, जिसमें हमारे शरीर का इम्यून सिस्टम गलती से लिवर सेल्स पर अटैक करता है। इसके कारण इंफ्लेमेशन और लिवर डैमेज का खतरा होता है। हेपेटाइटिस वायरस लिवर से जुड़ी बीमारियों और लिवर इंफ्लेमेशन की वजह बन सकता है। यह वायरस न सिर्फ महिलाओं बल्कि पुरुषों को भी प्रभावित कर सकता है। लेकिन कुछ रिसर्च के मुताबिक महिलाओं में हेपेटाइटिस ई का खतरा अधिक रहता है।

सावन सोमवार पर शिव का अभिषेक, भक्तों का लगा तांता

वाराणसी में पवित्र श्रावण मास के पांचवें सोमवार को काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा करने के लिए लाखों भक्त पहुंचे। वहीं कांवड़िए शंकर के अभिषेक के लिए गंगा जल ले जाते हुए।

अब 50 जिलों, 10 संभाग का हमारा राजस्थान, प्रदेशवासियों को मिले राहत

नवीन जिलों के स्थापना कार्यक्रम में बोले सीएम

जयपुर, (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को नवसृजित जिलों और 3 संभागों की शिला पट्टिकाओं का अनावरण कर प्रदेशवासियों को सबसे बड़ी सौगात दी। उन्होंने बिड़ला सभागार में हुए नवसृजित जिलों के स्थापना कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हवन में आहूति दी और राजस्थान के चहुंमुखी विकास के लिए कामना की।

गहलोत ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देकर कहा कि नए जिलों और संभागों के सृजन से राज्य की प्रशासनिक इकाइयों का विकेन्द्रीकरण होगा, उनकी क्षमताएं बढ़ेगी और कानून व्यवस्था अधिक मजबूत होंगी। आमजन के प्रशासनिक कार्य अब नजदीक ही सुगमता से होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए जनभावनाओं में घुली यह राजस्थान की एक नई सकारात्मक शुरूआत है। इससे प्रदेश को नई ऊंचाइयां मिलेंगी। हमने राज्यहित में फैसले लेकर पूरे किए हैं।

हमारा विजन 2030

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1956 में 2 करोड़ की जनसंख्या पर 26 जिले बने थे। वहीं, 67 साल में आबादी 3 गुना बढ़ने के बावजूद 7 ही नए जिलों का गठन हुआ था। अब राज्य सरकार ने जनभावना के सम्मान में प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण के लिए एक साथ 19 नए जिलों का गठन किया है। इसके पीछे हर एक प्रदेशवासी का सपना राजस्थान को वर्ष 2030 तक हर क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल कराना है। राज्य सरकार गांधीजी के विचारों और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जिला गठन समिति का कार्यकाल 6 माह बढ़ाया गया है, जिससे आमजन की न्यायोचित मांगों पर परीक्षण कर पूरा किया जाएगा।

गारंटी देने वाला प्रदेश है राजस्थान: गहलोत ने कहा कि जिस तरह पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने देश को खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, सूचना और रोजगार प्राप्त करने का अधिकार कानून बनाकर दिया। उसी तरह हमने भी स्वास्थ्य का अधिकार (आरटीएच), राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी, न्यूनतम 1000 रुपए सामाजिक सुरक्षा पेंशन का अधिकार राजस्थान के हर पात्र व्यक्ति को दिया है। इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी में 125 दिन रोजगार, महात्मा गांधी नरेगा के 125 दिन के रोजगार और अनिवार्य एफआईआर की गारंटी दी है।

रास सदस्य रजनी पाटिल की सदस्यता हुई बहाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर पीएम नरेन्द्र मोदी द्वारा जवाब दिये जाने के दौरान विरोध कर रहे विपक्षी सदस्यों का कथित तौर पर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डालने के आरोप में निलंबित कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य रजनी पाटिल का निलंबन सोमवार को समाप्त कर उनकी सदस्यता बहाल किया गया। सुबह में सदन की कार्यवाही शुरू होने पर विधायी कार्य निपटाए जाने के दौरान ही सभापति जगदीप धनखड़ ने श्रीमती सरोज पांडे को विशेषाधिकार समित के 74वें प्रतिवेदन को सदन पटल पर रखने के लिए कहा। श्रीमती पांडे ने कहा कि समिति ने श्रीमती पाटिल को कथित तौर पर सदन की कार्यवाही का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डालने का दोषी पाया है।

इमरान को खूंखार अपराधियों वाली अटक जेल भेजा

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अटक जेल में ले जाया गया है, जो सी ग्रेड है और जिसमें कम से कम सुविधाएं हैं। पार्टी ने कहा है कि इमरान को जेल में खाना भी नहीं दिया जा रहा है। उनकी जिंदगी खतरे में है। जिस जेल में खान को रखा गया है, इसमें खूंखार कैदी रखे जाते हैं। राजनीतिक कैदियों को ए ग्रेड जेल में रखा जाता है। पहली बार किसी पूर्व प्रधानमंत्री को इस जेल में रखा जा रहा है। पुलिस इमरान खान का मेडिकल कराने की बजाय सीधे जेल ले गए और वकीलों से मिलने भी नहीं दिया।

शाइस्ता परवीन फरार घोषित, घर पर कुर्की नोटिस चस्पा

प्रयागराज, (ब्यूरो)। प्रयागराज शूटआउट में पुलिस ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। फरार चल रही माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन को फरार घोषित कर दिया। कई थानों की फोर्स के साथ पहुंची धूमनगंज पुलिस ने चकिया स्थित माफिया अतीक के जमींदोज मकान में 82 की नोटिस चस्पा कर दी। शाइस्ता को लाख कोशिशों के बाद भी पुलिस खोज नहीं पाई है। उसके ऊपर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित है।

यू-ट्यूबर मनीष कश्यप बिहार की जेल में ही रहेंगे

बेतिया, (एजेंसी)। विवादों में घिरे यूट्यूबर मनीष कश्यप को अब बिहार की जेल में रखा जाएगा। सोमवार को बिहार के बेतिया कोर्ट में मनीष कश्यप की पेशी हुई। इसी दौरान कोर्ट ने ये आदेश दिया। तमिलनाडु पुलिस सोमवार को मनीष कश्यप को लेकर यहां पहुंची थी। जिसके बाद डिस्ट्रिक्ट प्रोसिक्यूशन ऑफिसर उमेश कुमार विश्वास की याचिका पर उन्हें पटना ले जाया जा रहा है। पटना में भी कश्यप के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। मनीष कश्यप पर बिहार भर में ही 50 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। सोमवार को उनकी पेशी भाजपा विधायक से कथित तौर पर रंगदारी माँगने और बैंक मैनेजर से अभद्रता के मामले में हुई थी।

आज का इतिहास

- **1509:** विजय नगर सम्राज्य के सम्राट के रूप में महाराज कृष्णदेव राय की ताजपोशी।
- **1549:** फ्रांस ने इंग्लैंड के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- **1609:** वेनिस की सीनेट ने गैलिलियो द्वारा तैयार दूरबीन का निरीक्षण किया।
- **1700:** डेनमार्क और स्वीडन के बीच शांति संधि पर हस्ताक्षर।
- **1771:** इंग्लैंड में हॉर्शम में पहला रिकॉर्ड शहर क्रिकेट मैच खेला गया।
- **1786:** अमरीकी कांग्रेस ने चांदी के डॉलर और मुद्रा के लिए दसमलव प्रणाली को स्वीकार किया।
- **1839:** बीटा थिता पिई ऑक्सफ़ोर्ड, ओहियो में स्थापित की गयी।
- **1864:** जेनेवा में रेड क्रॉस की स्थापना हुई।
- **1887:** अंतोनियो गजमैन ब्लैंको वेनेजुएला ने फ्रांस के राष्ट्रपति के रूप में अपनी अवधि पूरा किया।

भारत विरोधी एजेंडे में शामिल है कांग्रेस, चीन कर रहा फंडिंग

बीजेपी ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली ■ एजेंसी

बीजेपी ने कांग्रेस के खिलाफ नया मोर्चा खोलते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस, चीन के साथ मिलकर देश विरोधी एजेंडा चलाने का आरोप लगाया है।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि कांग्रेस और चीन एक ही गर्भनाल का हिस्सा हैं। राहुल गांधी की 'नकली मोहब्बत की दुकान' में चीनी सामान साफ देखा जा सकता है, चीन के प्रति उनका प्रेम देखा जा सकता है। उन्होंने विपक्षी गठबंधन इंडिया पर निशाना साधते हुए कहा कि इस गठबंधन के नेता और इसके समर्थक लोग कभी भारत का हित नहीं सोच सकते।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि कांग्रेस और चीन एक ही गर्भनाल का हिस्सा

खास बातें

- बीजेपी ने कांग्रेस के खिलाफ खोला मोर्चा
- चीन की फंडिग से प्रोपेगैंडा चलाने का आरोप
- वेबसाइट 'न्यूज क्लिक' का दिया हवाला

चीन से फंडिंग का आरोप

उन्होंने एक वेबसाइट न्यूज़ क्लिक का जिक्र करते हुए कहा कि इस वेबसाइट के जरिए चीन की कम्युनिस्ट पार्टी का प्रोपेगेंडा चलाया जाता है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि 2021 में हमने न्यूज़क्लिक को बेनक़ाब किया कि कैसे विदेशी दुष्प्रचार भारत के ख़िलाफ़ है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि चीन के ग्लोबल मीडिया संस्थान से इसकी फंडिंग हुई है। उन्होंने बताया कि जब इस वेबसाइट के ऊपर रेड हुई तो सामने आया कि एक विदेशी नेविल राय सिंघम ने इसकी फंडिंग की। ठाकुर ने दावा किया कि नेविल राय को चीन फंडिंग करता है. उसका संबंध कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना की प्रोपेगेंडा शाखा के साथ है। उन्होंने कहा कि चीनी कंपनियां नेविल रॉय सिंघम के माध्यम से न्यूज़क्लिक को फंडिंग कर रही थीं, लेकिन उनके सेल्समैन भारत के कुछ लोग थे, जो उनके खिलाफ कार्रवाई होने पर उनके समर्थन में आ गए।

भारत विरोधी प्रोपेगैंडा

नेविल रॉय और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना के संबंधों को लेकर न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट की ओर इशारा करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा, इस बात की पुष्टि उन अखबारों ने की है, जिनके बारे में कांग्रेस बड़ी-बड़ी बातें करती हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि फ्री न्यूज के नाम पर फेक न्यूज परोसी जा रही थी और कांग्रेस व अन्य दल फ्रीडम ऑफ स्पीच के नाम पर इनका साथ दे रहे थे।

सेंथिलबालाजी पांच दिनों की ईडी हिरासत में

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की एक अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार मंत्री वी. सेंथिलबालाजी को पूछताछ के लिए सोमवार को ईडी की पांच दिनों की हिरासत में भेज दिया।

मंत्री की पत्नी एस.मेगाला की ओर से उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली अपील को खारिज करने और पूछताछ के लिए ईडी को आठ से 12 अगस्त तक पांच दिन की हिरासत की अनुमति देने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ईडी ने यहां प्रधान सत्र न्यायाधीश एस.अली के समक्ष एक याचिका दायर कर श्री सेंथिल बालाजी को हिरासत में लेने की मांग की। मंत्री की चूंकि बाइपास सर्जरी हुई थी और वह पुझल सेंट्रल जेल अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ कर रहे थे, इसलिए ईडी ने कोर्ट को आश्वासन दिया कि हिरासत में पूछताछ की अवधि में उनकी स्वास्थ्य स्थिति का अच्छी तरह से ध्यान रखा जाएगा। याचिका को स्वीकार करते हुए जज ने ईडी को उन्हें पुझल सेंट्रल जेल से पूछताछ के लिए हिरासत में लेने की अनुमति दी।

लिव-इन पार्टनर ने प्रेमिका को बेटियों समेत गोदावरी में फेंका

आधे घंटे पाइप से लटकी रही 13 साल की लड़की, फोन करके पुलिस को बुलाया

गुंटर, (एजेंसी)। बची हुई बेटी कीर्तना महिला के पहले पति की संतान है। नदी में लापता हुई एक साल की दूसरी बेटी उसके लिव इन पार्टनर की संतान है। आंध्रप्रदेश के गुंटूर में एक शख्स ने अपनी लिव-इन पार्टनर से झगड़ा होने के बाद उसे और उसकी दो बेटियों को गोदावरी नदी में धक्का दे दिया। इस घटना में महिला और उसकी एक साल की बेटी नदी में लापता हो गई, जबकि 13 साल की लड़की ने प्लास्टिक का पाइप पकड़कर अपनी जान बचाई। लड़की पाइप के सहारे आधे घंटे तक लटकी रही। उसने लटके-लटके ही डायल 100 को कॉल किया। इसके बाद पुलिस ने उसे बचाया और उसकी मां-छोटी बहन की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपी सुरेश को अरेस्ट कर लिया है। पुप्पाला सुहासिनी गुंटूर के ताडेपल्ली में रहती थी। पति से मतभेद से वह अलग हो गई थी। 36 साल की महिला अपनी बेटी कीर्तना (13) के साथ रह रही थी और मजदूरी करती थी। दो साल पहले वह सुरेश से मिली। दोनों साथ रहने लगे। सुहासिनी और सुरेश की भी एक बेटी जर्सी (1) है।कुछ दिन पहले सुहासिनी और सुरेश के बीच अनबन हुई थी और सुरेश ने सुहासिनी और बेटियों कीर्तना, जर्सी को खत्म करने का फैसला किया।

तीनों को मारने से पहले दिनभर घुमाया

सुरेश ने तीनों को मारने की प्लानिंग की। शनिवार शाम वह उन्हें कई जगहों पर घुमाने ले गया। रविवार सुबह तक उनके साथ रहा। सुबह करीब 4 बजे सुरेश ने रावुलापालेम में गौतमी पुराने पुल पर कार रोकी। उसने तीनों को सेल्फी लेने के लिए मनाया और दीवार के सहारे खड़ा कर दिया। इसके बाद उसने अचानक तीनों को नदी में धकेल दिया। सुहासिनी और जर्सी नदी में गिर गई, लेकिन कीर्तना ने वहां लगा पाइप पकड़ लिया। पुलिस ने दो टीम बनाकर सुरेश और सुहासिनी की तलाश शुरू की। मां-बेटी का पता नहीं चल सका है, जबकि सुरेश को अरेस्ट कर लिया गया है।

Filmiलड़का

हार्टअटैक के बाद भी शूटिंग पर लौट आईं सुष्मिता सेन

दर्द में भी किया काम

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'ताली' को लेकर चर्चा में हैं। 15 अगस्त को जियो सिनेमा पर रिलीज होने वाली ताली का ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है। सीरीज को लेकर सुष्मिता सेन काफी एक्साइटेड हैं.। इससे पहले उन्होंने 'आर्या' में अपनी दमदार एक्टिंग से फैंस को इम्प्रेस कर दिया था। फिलहाल, ताली के प्रमोशन में बिजी सुष्मिता को भर-भरकर तारीफें मिल रही हैं। ट्रेलर में एक्ट्रेस की परफॉर्मेंस देख फैंस उनकी एक्टिंग स्किल के कायल हो गए हैं। सुष्मिता को ट्रांसजेंडर गौरी सावंत के किरदार में पहचानना मुश्किल है। इस बीच सीरीज के मेकर्स ने फिल्म की शूटिंग से जुड़े कुछ दिलचस्प किस्से साझा किए हैं। वेब सीरीज 'ताली' के मेकर्स अर्जुन सिंह बरन और कर्तक डी निशानदार हैं। मेकर्स ने सुष्मिता सेन के साथ काम करने के अपने अनुभव साझा किए हैं। ट्रोलर लॉन्च के दौरान मेकर्स ने बताया कि सुष्मिता सेन को मार्च में हार्ट अटैक आया था. इस खबर ने हम सभी को डरा दिया था। हम सभी उनकी हेल्थ को लेकर चिंता में थे लेकिन हार्ट अटैक के 8 दिन बाद ही वो काम पर लौट आई थीं। सुष्मिता सेन जयपुर में 'आर्या सीजन 3' की शूटिंग कर रही थीं। तब उन्हें हार्ट स्ट्रोक हुआ था। उनकी टीम एक घंटे के अंदर उन्हें मुंबई ले आ थी जहां उनकी एक सर्जरी भी हुई थी। डॉक्टरों ने उन्हें आराम की हिदायत दी थी। डायरेक्टर ने भी कहा कि वो आराम लें, लेकिन सुष्मिता सेन ने तीसरे दिन बाद ही बोल दिया कि वो बिल्कुल ठीक हैं और एक हफ्ते बाद वो डबिंग स्टूडियो पहुंच गई थीं। मेकर्स ने बताया कि ताली में सुष्मिता को आवाज बदलने, चीखने-चिल्लाने और तेज आवाज में डायलॉग बोलने की जरूरत थी, और उन्होंने ये बखूबी निभाया है। 'ताली' में सुष्मिता सेन के-स्टार हेमंत चौधरी ने भी एक्ट्रेस की खूब तारीफ की है। उन्होंने बताया कि सुष्मिता ने बीमारी में भी हैवी मेकअप और दर्द सहते हुए बड़ी शानदार एक्टिंग की है। उन्होंने बिना शिकायत किए शूटिंग की थी।

सुरक्षा घेरा तोड़कर सीधे तमन्ना भाटिया की तरफ लपका फैन, एक्ट्रेस ने लड़के को यूं किया हैंडल

मुंबई। फिल्मी सितारों के फैंस कई बार कुछ ऐसा कर जाते हैं जिनकी उम्मीद खुद सितारों को भी नहीं होती। तमन्ना भाटिया को भी हाल ही में कुछ ऐसा ही फेस करना पड़ा जब वह केरल में एक इवेंट करके निकल रही थीं। उनका एक फैन बहुत जोश में सिक्योरिटी बैरिकेड फांदकर सीधे तमन्ना की तरफ दौड़ पड़ा। इस क्रेजी फैन ने जाकर सीधे तमन्ना भाटिया का हाथ थाम लिया और जब तक सिक्योरिटी को कुछ समझ आता यह फैन एक्ट्रेस के काफी करीब पहुंच चुका था।

क्रेजी फैन को तमन्ना ने यूं किया हैंडल: इसके बाद तमन्ना भाटिया की सिक्योरिटी टीम ने इस लड़के को उनसे दूर किया और लेकिन यह फैन सिर्फ एक बार तमन्ना भाटिया से मिलने की जिद करने लगा। इस पर एक्ट्रेस ने मामले को शांत करने के लिए सिक्योरिटी टीम से निवेदन किया कि वह लड़के को उसके पास आने दें। तमन्ना भाटिया ने लड़के से हाथ मिलाया और फिर उसके साथ सेल्फी ली। बॉलीवुड सेलेब्स भी हो चुके हैं शिकारः इस क्रेजी फैन की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। जाते हुए तमन्ना भाटिया ने अपने इस फैन को गुडबाय कहा और फिर सिक्योरिटी और टाइट कर दी गई। बता दें कि बॉलीवुड सितारों के साथ भी कई बार इस तरह की चीजें हो चुकी है। कभी कोई फैन किसी सेलेब्रिटी के घर की दीवार लांघ जाता है, तो कभी कोई उनकी गाड़ी का पीछा करना शुरू कर देता है।

तमन्ना भाटिया की अपकमिंग फिल्में: वर्क फ्रंट की बात करें तो तमन्ना भाटिया बाहुबली, बाहुबली-2, केजीएफ और लस्ट स्टोरीज 2 जैसे प्रोजेक्ट्स में काम करती नजर आ चुकी हैं। उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो तमन्ना जल्द ही साउथ के सुपरस्टार एक्टर रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' में नजर आएंगी। जबरदस्त एक्शन से लबरेज इस फिल्म का फैंस को बड़ी बेसब्री से इंतजार है।

मणिपुर हिंसा... सुप्रीम कोर्ट ने 3 महिला जजों की कमेटी बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। मणिपुर हिंसा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में 7 अगस्त को फिर सुनवाई हुई। जानकारी देने मणिपुर के डीजीपी राजीव सिंह कोर्ट पहुंचे। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट के 3 जजों की कमेटी मणिपुर में जाकर राहत और पुर्नवास देखे। कोर्ट ने ये भी कहा कि ऐसी कोशिशें की जानी चाहिए, ताकि राज्य के लोगों में विश्वास और कानून के शासन में भरोसा लौट सके।

जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस रहीं गीता मित्तल इस कमेटी की हेड रहेंगी। कमेटी की दो अन्य सदस्य जस्टिस (रिटायर्ड) शालिनी पी जोशी और जस्टिस (रिटायर्ड) आशा मेनन रहेंगी। सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल (एजी) आर वेंकटरमणी ने कहा कि मणिपुर की मौजूदा स्थिति नाजुक है। बाहर से जांच होना लोगों में विश्वास पैदा नहीं करेगा। सरकार स्थिति को संभालने के लिए परिपक्व तरीके से डील कर रही है। मणिपुर में एक आर्टिफिशियल सिचुएशन बनाई गई है, जिससे बताया जा रहा है कि सरकार कुछ नहीं कर रही। यह बहुत उलझाऊ स्थिति है।

42 एसआईटी करेंगी हिंसा की जांच

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मणिपुर में हिंसा से जुड़े मामलों में 42 स्पेशल इंवेस्टीगेशन टीम (एसआईटी) जांच करेंगी। इन केसों को अभी तक सीबीआई को ट्रांसफर नहीं किया गया है। इन एसआईटी के काम को डीआईजी रैंक का अफसर निगरानी करेगा। ये अफसर मणिपुर के बाहर के होंगे। डीआईजी रैंक का एक अफसर 6 एसआईटी की निगरानी करेगा। इन एसआईटी की जिले के आधार पर नियुक्ति होगी। उधर, मणिपुर में राजधानी इंफाल में आने वाले सभी रास्तों को मैतेई महिलाओं के संगठन मेइरा पाइबी ने रोक दिया है। इन्होंने हर रास्ते की एंट्री पर चेक पॉइंट बनाए हैं। ये महिलाएं सेना और केंद्रीय सुरक्षा बलों की गाड़ियों को रोककर फौजियों के आई-कार्ड चेक कर रही हैं।

हरियाणा के मुख्यमंत्री खट्टर ने कृषि मंत्री तोमर से की मुलाकात

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सोमवार को कृषि भवन, नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात कर राज्य में कृषि क्षेत्र के विकास और किसानों के कल्याण से संबंधित विषयों पर चर्चा की।

नूंह में बुलडोजर एक्शन पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

नूंह, (एजेंसी)। हरियाणा के नूंह में हिंसा के बाद राज्य सरकार के बुलडोजर एक्शन पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। हाईकोर्ट का आदेश आते ही डिप्टी कमिश्नर धीरेंद्र खड़गटा ने तुरंत अधिकारियों को कार्रवाई से रोक दिया। सरकार की डिमोलिशन ड्राइव का हाईकोर्ट ने सुओ-मोटो लिया था।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की जस्टिस गुरमीत सिंह संधावालिया ने रोक के आदेश दिए। नूंह में पिछले 4 दिन से तोड़फोड़ की कार्रवाई चल रही थी। इस दौरान 753 से ज्यादा घर-दुकान, शोरूम, झुग्गियां और होटल गिराए जा चुके हैं। प्रशासन ने इन्हें अवैध बताते हुए कहा कि इनमें रहने वाले 31 जुलाई की हिंसा में शामिल थे। नूंह में अब तक प्रशासन ने 37 जगहों पर कार्रवाई कर 57.5 एकड़ जमीन खाली कराई। इनमें 162 स्थाई और 591 अस्थाई निर्माण गिराए गए।

ज्ञानवापी : एएसआई की टीम ने गुंबदों से सैंपल कलेक्ट किया

वाराणसी, (ब्यूरो)। वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर में चौथे दिन का सर्वे खत्म हो गया। सावन का सोमवार होने से सोमवार को सर्वे के समय में बदलाव किया गया था। सोमवार को सर्वे का काम सुबह चार घंटे विलंब से 11 बजे से शुरु हुआ।

पश्चिमी दीवार पर सर्वे की टीम का रहा फोकस

बता दें कि हाई कोर्ट के आदेश के बाद एएसआई की टीम पूर परिसर का डिटेल में वैज्ञानिक सर्वे कर रही है। एएसआई सर्वे में हिंदू पक्ष और मुस्लिम पक्ष को मिलाकर कुल 58 लोग शामिल हैं। एएसआई की टीम के 30 सदस्य तीनों गुंबद का 3 डी एमेजिनेशन और मैपिंग कर रहे हैं। चौथे दिन के सर्वे के लिए एएसआई की टीम ज्ञानवापी परिसर में 11 बजे के बाद अंदर दाखिल हुई और रविवार के शेष बचे जगह व्यास जी के तहखाने से सर्वे की कार्रवाई शुरु की। व्यास जी तहखाने में मलबा अधिक होने के चलते सर्वे की टीम को दिक्कत आ रही थी। एएसआई की टीम ने गुंबदों से सैंपल कलेक्ट किया। साथ ही पश्चिमी दीवार पर सर्वे की टीम का फोकस रहा। हिंदू पक्ष बार बार पश्चिमी दीवार पर फोकस करने के लिए कहता रहा है। टीम ने पूर्वी दीवाल की भी मैपिंग की। एएसआई की टीम जल्द ही सेंट्रल डोम का सर्वे शुरू कर सकती है।

एलओसी के पास दो आतंकियों को मार गिराया

नूंह, एजेंसी। हरियाणा के नूंह में हिंसा के बाद राज्य सरकार के बुलडोजर एक्शन पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। हाईकोर्ट का आदेश आते ही डिप्टी कमिश्नर धीरेंद्र खड़गटा ने तुरंत अधिकारियों को कार्रवाई से रोक दिया।

सरकार की डिमोलिशन ड्राइव का हाईकोर्ट ने सुओ-मोटो लिया था। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की जस्टिस गुरमीत सिंह संधावालिया ने रोक के आदेश दिए। नूंह में पिछले 4 दिन से तोड़फोड़ की कार्रवाई चल रही थी। इस दौरान 753 से ज्यादा घर-दुकान, शोरूम, झुग्गियां और होटल गिराए जा चुके हैं। प्रशासन ने इन्हें अवैध बताते हुए कहा कि इनमें रहने वाले 31 जुलाई की हिंसा में शामिल थे। नूंह में अब तक प्रशासन ने 37 जगहों पर कार्रवाई कर 57.5 एकड़ जमीन खाली कराई। इनमें 162 स्थाई और 591 अस्थाई निर्माण गिराए गए।

फाइलेरिया से बचाव की दवाओं का सेवन कर खुद को और परिवार को बचाएं : सीएमओ

पाँच साल तक लगातार साल में एक बार फाइलेरिया रोधी दवा खाएं, फाइलेरिया को दूर भगाएं

प्रखर कुशीनगर। जनपद में 10 से 28 अगस्त तक चलने वाले मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन(एमडीए)अभियान को सफल बनाने के लिए जरूरी है कि सभी लोग फाइलेरिया से बचाव की दवा का सेवन अवश्य करें । साथ ही दूसरों को भी इस बात के लिए प्रेरित करें कि वह फाइलेरिया रोधी दवा अवश्य खाएं। इस कार्य में मीडिया की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है ।यह बातें मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.सुरेश पटारिया ने स्वास्थ्य विभागके तत्वावधान में सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च(सीफार) संस्था के सहयोग से मंगलवार को नगर के एक निजी होटल में आयोजित मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला के दौरान कहीं । उन्होंने अपील की कि दवा का सेवन आशा कार्यकर्ता के सामने ही करें। उन्होंने शपथ दिलाई कि फाइलेरिया से बचाव की दवा पाँच साल तक लगातार साल मे एक बार खाकर इस बीमारी को दूर भगाएं । उन्होंने बताया कि हम सभी को ऐसे प्रयास करने होंगे कि लोग इतने जागरूक हो जाएं कि फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन करके खुद को औरअपने परिवार को बचा सकें । इस दौरान पाथ संस्था के कार्यक्रम अधिकारी डॉ.नीरज पाण्डेय ने बतायें अब तक 1315 से अधिक हाथीपांव और 175 से अधिक हाइड्रोसील रोगियों को चिन्हित किया गया है ।इस सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम में जनपद में 40.48 लाख लक्षित लाभार्थियों को इस गंभीर बीमारी से बचाने के लिए 4303 स्वास्थ्य कर्मियों के माध्यम से बूथ लगाकर एवं घर-घर जाकर आशा कार्यकताएँ अपने सामने इन दवाओं का सेवन कराएँगी । दवाओं का वितरण बिल्कुल भी नहीं किया जायेगा । इन दवाओं कासेवन खाली पेट नहीं करना है । दो वर्ष से अधिक उम्र के प्रत्येक व्यक्ति को इस दवा का सेवन करना

है। सिर्फ गर्भवती और अति गंभीर बीमार लोग दवा का सेवन नहीं करेंगे। बीपी, शुगर, थायरॉयड जैसी बीमारियों में भी दवा का सेवन करना है। इस बार एक से दो वर्ष के बच्चों को इसी अभियान के दौरान पेट के कीड़े मारने की दवा खिलाई जाएगी ।इस दौरान वेक्टर बार्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम के नोडल अधिकारी व उप चिकित्सा अधिकारी डॉ आर. के. गुप्ता ने कहा कि फाइलेरिया रोधी दवाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं । इन दवाओं का वैसे तो कोई विपरीत प्रभाव नहीं है, फिर भी किसी को दवा खाने के बाद उल्टी, चक्कर, खुजली या जी मिचलाने जैसे लक्षण होते हैं तो यह इस बात का प्रतीक है कि उस व्यक्ति के शरीर में फाइलेरिया के परजीवी मौजूद हैं । ऐसे लक्षण इन दवाओं के सेवन के उपरांत शरीर के भीतर परजीवियों के मरने के कारण उत्पन्न होते हैं । सामान्यतः यह लक्षण स्वतः समाप्त हो जाते हैं, फिर भी ऐसी किसी परिस्थिति के लिए प्रशिक्षित रैपिड रिस्पॉन्स टीम (आरआरटी) भी बनाई गई है । आवश्यकता पड़ने पर आरआरटी को उपचार के लिए तुरंत बुलाया जा सकता है । उन्होंने फाइलेरिया के वाहक क्यूलेक्स मच्छर के बारे में विस्तार सेजानकारी दी । उन्होंने बताया कि एक बार फाइलेरिया हो जाने के बाद उसेकेवल नियंत्रित किया जा सकता है, ठीक नहीं किया जा सकता है। इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह पांच साल तक लगातार साल में एक बार फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन अवश्य करे ।मलेरिया निरीक्षक विजय गिरी ने बताया कि फाइलेरिया विश्व में दीर्घकालिक दिव्यांगता का दूसरा सबसे बड़ा कारण है । हाथीपांव के नाम से प्रचलित यह बीमारी हो जाने पर इसका इलाज नहीं है सिर्फ. प्रबंधन ही एकमात्र उपाय है ।मच्छरों से बचाव और दवा का सेवन ही इससे बचने का उपाय है। उप चिकित्सा अधिकारी ने आगे बताया कि मरीज सहायता समूह के प्रयासों से समुदाय में जागरूकता की जा रही है और लोगों को बीमारी की गंभीरता के बारे में पता चल रहा है। इस दौरान पीसीआई संस्था के एस एन पाण्डेय ओर नितीश श्रीवास्तव, उदित नारायण इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य डॉ सुरेन्द्र के साथ ही साथ स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी व अधिकारीगण मौजूद रहे ।

पेशेंट सपोर्ट ग्रुप के सदस्यों ने साझा किये अनुभव- रकाब दुल्मा पट्टी के पेशेंट सपोर्ट ग्रुप(पीएसजी) सदस्य और फाइलेरिया मरीज रामचंद्र तथा बांसगांव के पीएसजी सपोर्ट ग्रुप की 28 वर्षीया सीमा ने बताया कि काफी समय तक उनकी फाइलेरिया की पहचान न हो पाने की वजह से उन्हें काफी भटकना पड़ा । ढेर सारे पैसे भी खर्च हो गये ।समूह में जुड़ने के बाद जब से उन्होंने नियमित साफ- सफाई और योग करना शुरू किया उन्हें काफी आराम मिला । इस दौरान सपोर्ट ग्रुप के 55 वर्षीय रामनरेश ने भी अपने अनुभवों को साझा किया । उन्होंने बताया कि अब वह लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक कर रहे है।

बुनकरों के साथ मनाया राष्ट्रीय हथकरघा दिवस : राजेश कुमार सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर लघु उद्योग भारती संगठन की एक बैठक बुनकरों के साथ छितनपुर स्थित बनारसी साड़ी कारखाने में सम्पन्न हुई ` राष्ट्रीय हथकरघा दिवस हर साल सात अगस्त को वर्ष 2015 से लगातार मनाया जाता है हैंडलूम के क्षेत्र में सूक्ष्म लघु मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्येश्य से देश भर मे हथकरघा दिवस आयोजित किया जाता है` राजेश कुमार सिंह अध्यक्ष लघु उद्योग भारती काशी प्रांत ने बताया कि हमारा संगठन पूरे देश में बुनकरों के उत्थान के लिए कार्य कर रहा है हथकरघा दिवस के दिन हम सब उनके बीच जाकर उनके उद्योग मे आ रही कठिनाइयों की जानकारी प्राप्त कर उसे दूर करवाने का प्रयास करते है भारत

के स्वतंत्रता संग्राम में इस हथकरघा का विशेष महत्व रहा है। हथकरघा उद्योग को बढ़ावा देने और विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के लिए स्वदेशी आंदोलन की शुरूआत सात अगस्त 1905 को की गई थी इसी आंदोलन के चलते तत्कालीन भारत के हर घर मे खादी बनाने की शुरूआत हुई थी इस वर्ष 9वां हथकरघा दिवस मनाया जा रहा है बुनकर विमलेश मौर्या ने सरकार से बिजली छूट को 5 के वी से बढ़ाकर 75 केवी बढ़ाने की मांग की पूर्व की सरकारों मे यह 150 के वी तक था। कार्यक्रम मे गुलशन मौर्या, मदन लाल, विमलेश मौर्या, गुफराम आलम, मोजम्मिल अंसारी, महमूद अंसारी, फरहान, अरुण सिंह,ज्योति शंकर मिश्रा, सन्नी विश्वकर्मा सहित काफी संख्या में बुनकर मौजूद थे।

सृजन सामाजिक विकास न्यास एवं 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के संयुक्त तत्वाधान में पर्यावरण विभाग बीएचयू में हुआ पौधरोपण

प्रखर वाराणसी। सृजन सामाजिक विकास न्यास के अध्यक्ष के अध्यक्ष एवं गंगा हरीतिमा अभियान के ब्रांड अम्बेसडर अनिल कुमार सिंह के अगुवाई मे एवं मिशन 10000000 पौधरोपण के तहत पर्यावरण धारणी संस्थान के कैम्पस में तथा श्री अनिल कुमार बृक्ष कमांडेंट 95 बटालियन के मार्गदर्शन में 95 बटालियन सी आर पी एफ एव सृजन सामाजिक विकास न्यास के संयुक्त तत्वधान में पर्यावरण विभाग में हुआ पौध रोपण। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री विनोद कुमार सिंह सहायक कमांडेंट 95 बटालियन थे मुख्य अतिथि महोदय ने पर्यावरण संरक्षण पर अपने उद्बोधन मे कहा

पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण से मुक्ति पाने हेतु सभी को पौध रोपण करना होगा तभी ग्लोबल वार्मिगं से बचा जा सकता है, पर्यावरणविद अनिल कुमार सिंह सभी को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, एवं जल संरक्षण की शपथ दिलाकर कुशल संचालन किया। इस कार्यक्रम में 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के निरीक्षक एस एन राय,प्रवीण सिंह एवं सन्तोष सिंह ने पूरी टीम के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई मदन राम चौरसिया कार्यमुक्ति वन रेंजर उपस्थित रहे।

मिजार्पुर में प्रधानाध्यापक ने प्राथमिक विद्यालय की पुस्तकें कबाड़ी में बेच दी वीडियो वायरल, जांच का आदेश

प्रखर मिजार्पुर। जिले के बजटा प्राथमिक विद्यालय का एक मामला प्रकाश में आया है । जहां पर प्रधानाध्यापक ने बच्चों को फ्री वितरण करने वाली किताबों को कबाड़ी को बेच दिया है। जिसके बाद जिले में हड़कंप मच गया। बतादे कि छानबे विकास खंड के बजटा प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने निःशुल्क वितरित होने वाली पुस्तकें कबाड़ी को बेच दी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से हड़कंप मच गया। वीडियो वायरल होने के बाद बीएसए ने छानबे के खंड शिक्षाधिकारी को जांच का आदेश दिया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत बजटा के प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक लाल बहादुर ने स्कूल के बच्चों की नये सत्र में वितरित होने वाली किताबें भी पुरानी किताबों व अन्य कागजात के साथ कबाड़ी के हाथों बेचे दिए। मामला प्रकाश में आते ही जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार वर्मा ने खंड शिक्षा अधिकारी छानबे राजेश श्रीवास्तव को जांच करने का निर्देश दिया है। खंड शिक्षा अधिकारी ने मंगलवार को विद्यालय पहुंच कर छानबीन भी किया और प्रधानाध्यापक को फटकार भी लगाई। खंड शिक्षाधिकारी राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि कबाड़ी के हाथ बेचे जाने का मामला ग्राम प्रधान प्रतिनिधि व ग्रामीणों द्वारा पकडा गया था। सभी पुस्तक विद्यालय मे जमा है। शिक्षक ने गलत किया है उसकी सजा मिलेगी।

उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया है। बता दें कि प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने स्कूल मे रखी पुरानी किताबों एवं अन्य कागजों के साथ नये सत्र की भी लगभग 15-20 किताबें कबाड़ी को बेट दी। इस बात की जानकारी प्रधान व अन्य ग्रामीणों को हुई तो कबाड़ी के बोरे को खोलकर देखा गया तो उसमें नये सत्र की भी किताबें थी। जब लोग शिकायत करने गए तो शिक्षक ने सही जबाब न देकर रौब जमाया। बहरहाल जब उसका वीडियो वायरल होने लगा तथा फोन से भी शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारी को भी सूचना दी गई तो कार्रवाई हुई।

रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ता ने कराया मुकदमा दर्ज

प्रखर मिजार्पुर। थाना चुनार क्षेत्रांतर्गत रेलवे स्टेशन चुनार स्थित हनुमान मंदिर को हटाने की बात को लेकर कस्बा चुनार निवासी संजय सोनकर पुत्र नंदलाल सोनकर की चुनार रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर अभिषेक राज से कहासुनी हो गयी थी। जिसके संबंध में संजय सोनकर द्वारा अभिषेक राज पर गाली-गलौज करते हुए जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने सम्बंधी शिकायत कोतवाली चुनार में की गयी थी ।शिकायत का संज्ञान लेकर प्रभारी निरीक्षक चुनार, क्षेत्राधिकारी चुनार एवं ड्ढल्ल३, २३१३ी द्वारा दोनों पक्षों से वार्ता करके मामले का निस्तारण करने का प्रयास किया गया, परन्तु संजय सोनकर उपरोक्त द्वारा कस्बा चुनार के कुछ राजनैतिक व्यक्तियों व पार्षदों के साथ थाना स्थानीय पर आकर लिखित तहरीर दी गयी जिसके आधार पर थाना चुनार पर मु0अ0सं0 269/2023 u/s 504 ipc 3(1)D SC/ST Act पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की गई।

एमएलसी विशाल सिंह चंचल के आग्रह पर मुख्यमंत्री ने 12 पीड़ितों को दिए 23 लाख

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गाजीपुर के लोकप्रिय एमएलसी बड़े भईया विशाल सिंह चंचल के आग्रह पर मुख्यमंत्री महाराज जी ने गाजीपुर के 12 पीड़ित परिवारों को 23 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान किये हैं। इनमें एक दो छोटे छोटे बच्चे भी है, जिसमे खुशबू गुप्ता नाम की छोटी सी बच्ची को एमएलसी विशाल सिंह चंचल जी के सहयोग से तीसरी बार आर्थिक सहायता प्राप्त हुई हैं। वहीं एक पीड़ित महिला को दूसरी बार सबसे ज्यादा 5 लाख की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है। एमएलसी विशाल सिंह चंचल ने इन सभी के जल्द ही स्वस्थ होने की कामना की है। गाजीपुर की सातों विधानसभाओं से आये इन सभी पीड़ित परिवारो ने मुख्यमंत्री जी और एमएलसी साहब के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है। जिसमे जसदेवपुर के छोटे से बच्चे विकास प्रजापति को इलाज के लिए 125 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है, वहीं अराजिमाफी पडरी की छोटी सी

बच्ची खुशबू गुप्ता को तीसरी बार इलाज के लिए 182 हजार 500 सौ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है, विकास और खुशबू के माता पिता बहुत ही खुश हैं। इसी प्रकार दाउदपुर के मुकेश चौहान को 1लाख की, सोनबरसा में एक छोटी सी साइकिल की दुकान करने वाले राहुल गुप्ता को 2 लाख 50 हजार की, नवकपुरा की सोनी चौरसिया को 50 हजार की,चौराबोझ की आशा राय को 2 लाख 50 हजार की, सुहवल के राजेश यादव को 1 लाख की, सचितापट्टी की उषा सिंह को 75 हजार की,सरैला के सुनील को 2 लाख 50 हजार की, जसदेवपुर के विकास प्रजापति को 1 लाख 25 हजार की, भवानीपुर की अनिला देवी को 5 लाख की, मिश्रबाजार की आशा पटेल को 2 लाख 50 हजार की, खाजेपुर के श्रीराम चौहान को 3 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की गई हैं। एमएलसी साहब ने सभी के जल्द ही स्वस्थ होने की कामना की है।

सामाजिक जन सेवा कल्याण समिति महानगर कार्यालय का धूमधाम से मनाया गया स्थापना दिवस पदाधिकारियों ने किया शपथ ग्रहण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पहड़िया अकथा स्थित संजय नगर कॉलोनी में सामाजिक जन सेवा कल्याण समिति महानगर कार्यालय का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया सभी पदाधिकारीगण ने एक साथ मिलकर शपथ लिया और कहा की सामाजिक जन सेवा कल्याण समिति हर वर्ग के लोगों का मदद करेगी जो भी पीड़ित है वह हमारी संस्था के यहा आए और अपनी पीड़ा को बताएं हम सब मिलकर उस पीड़ित का मदद करेंगे आयदिन हो रहा है गरीब असहाय व वंचित के साथ दुर्व्यवहार हमारा संगठन कभी नहीं सहेगा हमारे जितने भी संगठन के सदस्य हैं उन लोगों को एक-एक करके जिम्मेदारी सौंपी गई है और वह समय समय पर कार्य करते रहे हैं हमारा संगठन बहुत काफी सालों पुराना है हर एक जिलों में हमारे सदस्य हैं किसी भी जिले में किसी

के साथ अन्याय हो रहा है तो वह तत्काल हमारे संगठन को अवगत कराएं हमारा संगठन तत्काल उसकी मदद करेगा इसी बीच स्थापना दिवस पर कई नए पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई और उनको आई कार्ड और प्रशस्ति पत्र बाटकर उनको बधाई दिया गया आदि लोग मौजूद रहे संरक्षक शंशाक शेखर त्रिपाठी ,अध्यक्ष श्रवण कुमार नागवानी , कोषाध्यक्ष भगवती प्रसाद गोंड ,उपाध्यक्ष राजेश कुमार जायसवाल, सचिव गणेश प्रसाद, सयुक्त सचिव सुभाष गुप्ता , प्रचार मंत्री संतोष कुमार यादव ,मिडिया प्रभारी अनिल अग्रहरि ,महिला अध्यक्ष कान्ता नागवानी , महिला उपाध्यक्ष शशि कला कार्यकारणी सदस्य दिनेश कुमार गोंड , कार्यकारणी सदस्य दिलीप कुमार गोंड, कार्यकारणी सदस्य प्रकाश सेठ, कार्यकारणी सदस्य कन्हैया सिंह,सदस्य मनोज सिंह, शीतला प्रसाद, विवेक चन्द्र श्रीवास्तव, अनिल गुप्ता , राजेश पटेल आदि की उपस्थिति में आयोजन किया गया।

विद्यालय के समस्त अध्यापक-अध्यापिकाओं ने बाह में काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्वक विरोध किया

प्रखर रामनगर वाराणसी। बाल विद्यालय माध्यमिक स्कूल, डोमरी, पड़ाव, वाराणसी में आजमगढ़ के चिल्ड्रेन गर्ल्स स्कूल में घटित दुर्भाग्यपूर्ण घटना में बिना जांच के विद्यालय की प्रधानाचार्या तथा शिक्षक की गिरफ्तारी के विरोध में पूर्वांचल स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन के संयुक्त सचिव श्री मुकुल पांडेय के नेतृत्व में विद्यालय के समस्त अध्यापक अध्यापिकाओ ने बाह में काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्वक विरोध किया।पूर्वांचल स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन के संयुक्त सचिव श्री मुकुल पांडेय ने कहा कि आजमगढ़ के विद्यालय में घटित घटना बहुत ही दुखद है। हम सभी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं तथा परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना की बिना किसी जांच पड़ताल के विद्यालय की प्रधानाचार्या एवं शिक्षक को गिरफ्तार करना कहीं से भी न्यायोचित नहीं है। पहले घटना की जांच कराई जाए, अगर वह दोषी पाए जाते हैं तो उनको दंडित किया जाए।एसोसिएशन के आह्वान पर आज पूर्वांचल के सभी विद्यालयों में बच्चों के लिए पठन-पाठन बंद रखा गया।बाल विद्यालय मध्यमिक स्कूल, प्रहलादघाट की प्रधानाचार्या श्रीमती स्नेहलता पांडेय एवं बाल विद्यालय माध्यमिक स्कूल डोमरी की प्रधानाचार्या श्रीमती नीता त्रिपाठी ने भी इस घटना पर दुःख व्यक्त किया और गिरफ्तारी का विरोध किया।

संक्षिप्त खबरें

गंगा नदी में बढ़ाव लगातार जारी, जलस्तर खतरा निशान के करीब

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पिछले 36 घंटे के दौरान गंगा नदी के जलस्तर के बढ़ाव ने तेजी से रफ्तार पकड़ ली है। आज अपरण 1:00 बजे गंगा का जलस्तर 61. 680 मी पहुंच गया है जो चेतावनी बिंदु 61. 550 मीटर के ऊपर है। कल तक 9 सेंटीमीटर प्रति घंटा के रफ्तार से गंगा का बढ़ाव जारी था, जो आज 3 सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से बढ़ रहा है। अनुमान लगाया जा रहा है की जल स्तर अगले 24 घंटे तक खतरा के निशान के ऊपर पहुंच जाएगा। ऐसे में आज गंगा की जलस्तर में वृद्धि की रफ्तार बढ़ने से तटवर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों की माथे पर चिंता की लकीर बढ़ गई है जबकि जिला प्रशासन पूरी तरह से मुस्तादी बनाए हुए हैं रेवतीपुर क्षेत्र में बीते साल हुए बड़े नाव हादसे को देखते हुए पाक जल जवानों और गोताखोरों की तैनाती कर दी गई है वहीं जनपद की सभी बढ़ चौकिया को भी सक्रिय कर दिया गया है जीवन दाहिनी गंगा का बढ़ता जलस्तर गाजीपुर के गंगा तट वीडियो के लिए दस्त का कारण बना हुआ है पतित पावनी गंगा का यह रौद्र रूप जिले के गंगा तट वीडियो के लिए लगातार विनाशकारी साबित हुई है ऐसे में बीते सालों में आई गंगा की विनाशकारी लहरों से उसे कर लोग संभावित बाढ़ को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं। गत वर्षों में 2021में बाढ़ का उच्च जलस्तर 64 . 680 मीटर वहीं 2022 में बाढ़ का उच्च स्तर 64 .390 विचार जबकि 2019 में बाढ़ का उच्च जल स्तर 64 .530 मीटर रहा है।

शिवमन्दिर से सोलर लाइट की बैटरी चोरी

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। केराकत कोतवाली क्षेत्र के थानागद्दी पुलिस चौकी अंतर्गत नाऊपुर गाँव मे सोमवार की रात शिवमंदिर से चोर बैटरी चुरा लें गये। नाऊपुर गाँव के पूर्वी छोड़ पर रजनी कांत तिवारी के घर के सामने प्राचीन शिवमन्दिर हैं। जहाँ एक दिन पहले हैंडपम्प के लिये बोरिंग का काम चल रहा था। मंगलवार की सुबह जब रजनीकांत तिवारी मंदिर के तरफ पूजा पाठ करने गये तो देखा सोलर लाइट की बैटरी गायब रही। इस घटना की सुचना मंदिर के पुजारी ने स्थानीय पुलिस चौकी पर दिया।

सांप काटने से महिला की मौत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। लगातार बारिश तथा गंगा के जलस्तर में बढ़ाव के साथ ही जिले में सर्पदंश की घटनाएं शुरू हो गई है। इसी क्रम में नंदगंज थाना क्षेत्र के ठेहुंना ग्राम मे सर्प काटने से संजू बिन्द उम्र 38 वर्ष पत्नी बबलू बिंद की मौत हो गयी। मृतक के पास 8 व 6 वर्ष के दो छोटे बच्चें हैं। मिली सूचना के अनुसार मृतका अपने घर मे बेड पर रांत्री में सोई थी और हाथ नीचे लटक रहा था, सर्प ने हाथ मे काट लिया ।झाड- फूंक के बाद बेलासी मिशन पर ले जाया गया जहां स्थिति गंभीर होने पर सदर हास्पीटल मे भर्ती कराया गया जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।ग्राम प्रधान संघ के पूर्व ब्लाक अध्यक्ष जनार्दन सिंह ने बताया परिवार की सूचना पर नंदगंज पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। तत्पश्चात अंतिम संस्कार चोचकपुर घाट पर किया गया। मृतक किसी तरह मजदूरी करके परिवार की जीविका चलाता था। महीला की मौत से घर मे कोहराम मच गया।

राजेश कुमार यादव बने जिला कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। ज़िला कबड्डी एसोसिएशन गाजीपुर संबद्ध- उत्तर प्रदेश कबड्डी एसोसिएशन एवं ज़िला ओलंपिक संघ का चुनाव पर्यवेक्षक उत्तर प्रदेश कबड्डी संघ के जनरल सेक्रेटरी राजेश सिंह के देख रेख में सम्पन्न हुआ जिसमें सर्वसम्मति से नये अध्यक्ष के रूप में राजेश कुमार सिंह यादव और ज़िला सचिव मुहम्मद आसिफ चुनें गये। राजेश कुमार यादव जो वर्तमान समय में आदर्श सेवा इण्टर कॉलेज नोनहरा गाजीपुर में प्रधानाचार्य और समाजवादी पार्टी के जिला कार्यकारिणी के सदस्य है । नये अध्यक्ष के रूप में राजेश कुमार यादव ने इस अवसर पर कहा कि खेल भावना का विकास कर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को हर संभव मदद किया जायेगा और कबड्डी के लिए सरकारी और निजी स्तर पर अच्छे खिलाड़ियों को सम्मानित करने के साथ -साथ नौकरी के लिए पर्याप्त अवसर मिले इसका प्रयास किया जायेगा । ज़िला कबड्डी संघ का दायित्व सौंपा गया जो चुनौती पूर्ण है लेकिन संघ के तत्वावधान में जो भी आयोजन किया जायेगा उसे सफलतापूर्वक पूरा करने का हर संभव प्रयास करूँगा ।इस अवसर पर एन सी एल कबड्डी एसोसिएशन के सचिव शिवमुन्नी सिंह, ज़िला कबड्डी संघ वाराणसी के श्री दशरथ पाल , हनुमान सिंह यादव , अकरम खां, रामपाल, कन्हैया यादव, संतोष कुमार सिंह, राधेश्याम , अमरनाथ यादव अंजनी गुप्ता, विजेन्दर कुमार आदि उपस्थित रहे ।अंत में पूर्व ज़िला अध्यक्ष और सचिव अकरम खॉ ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया और नयी कार्यकारिणी को बधाई और शुभकामनाएँ दिया ।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं